वर्ष -15 अंक-28 प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित अनूपपुर 13 से 19 जुलाई 2023 मूल्य 2.00 पृष्ठ 8 Epaper-www.fatwasamachar.com

डाक पंजी- SDL-0019/2025 RNI-MPHIN/2008/24599

फ़तवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार पत्र

आपका विश्वास

पेज-2

पेज-3

पेज-6

सुविचार

यह मत भूलें कि जो शरीर व मस्तिष्क ईश्वर ने विश्व के सबसे सफल व्यक्ति को दिया है, वही आपको भी दिया है। बस आपको उसका उपयोग कैसे करना है, यह आप तय करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कूनो में एक और चीते की मौत, तेजस चीते के शरीर पर मिले चोट के निशान

भोपाल/श्योपुर नप्र। मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में चीतों की मौत का सिलसिला जारी है। मंगलवार को फिर एक चीते की मौत हो गई। चीता तेजस बाड़े में मृत पाया गया। उसके शरीर पर घाव के निशान मिले है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि आपस में टकराव से तेजस की मौत हुई है। पार्क प्रबंधन की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, सुबह लगभग 11 बजे मॉनिटरिंग टीम द्वारा नर चीता तेजस (बोमा क्रमांक 6) की गर्दन के ऊपरी हिस्से में चोट के निशान देखे गए। इसकी सूचना मॉनिटरिंग टीम द्वारा पालपुर मुख्यालय पर उपस्थित वन्य प्राणी चिकित्सकों को दी गई। वन्य प्राणी चिकित्सकों द्वारा मौके पर जाकर तेजस चीते का मुआयना किया और प्रथम दृष्टया घावों को गंभीर पाया। इसके बाद तेजस को बेहोश कर उपचार करने के लिए अनुमति प्राप्त कर तैयारी के साथ चिकित्सकों का दल मौके पर रवाना हुआ। लेकिन जब टीम 2 बजे पहुंची तो नर चीता तेजस मृत पाया गया।

दो बहनों को डसकर नागिन ने लिया अपने बच्चों की मौत का बदला

विदिशा नप्र। विदिशा जिला मुख्यालय से 5 किलोमीटर दूर डाबर गांव में नागिन के डसने से दो सगी बहनों की मौत हो गई। नागिन उनके छोटे भाई को भी डसने वाली थी। घर वालों की नजर पड़ी और छोटे बच्चे को बचा लिया गया। मृत लड़कियों के पिता कमल सिंह ने बताया 20 दिन पहले घर के पास सांप के पांच-छह बच्चे गड्ढे में निकले थे। जिन्हें उठाकर उसने फेंक दिया था। 20 दिन बाद उसके घर में नागिन ने रात 1 बजे 14 साल की रितिका को और सुबह 7 बजे 10 साल की साधना को नागिन ने डस लिया। दोनों की अस्पताल मैं मौत हो गई। जब अस्पताल से कमल सिंह घर आया, तो वही नागिन उसके बेटे ऋतिक के सिर के पास बैठी हुई थी। परिवार जनों ने तुरंत बिस्तर सहित उसे खींच लिया। जिससे उसकी जान बच गई। फिल्मों में इस तरह से बदला लेने की घटनाएं देखने को मिलती थी। लेकिन इस घटना से कमल सिंह का परिवार भयभीत है। सांप के छोटे-छोटे बच्चे को उसने गड्ढे से निकाल कर बाहर फेंका था।

15वीं विधानसभा का अंतिम सत्र बुधवार तक के लिए स्थगित

गोविंद सिंह बोले- शिवराज ने रची साजिश नरोत्तम ने कहा- राष्ट्रगीत का अपमान किया

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में मंगलवार को पहले दिन जोरदार हंगामा हुआ। विपक्ष सीधी पेशाब कांड पर चर्चा कराना चाह रहा था। पहले 10 मिनट के लिए कार्यवाही स्थगित की गई। दोबारा सत्र शुरू हुआ तो विपक्ष सीधी कांड पर चर्चा के लिए अड़ गया।

भोपाल नप्र। नारेबाजी और हंगामा ज्यादा होने पर सत्र को 12 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया। 15वीं विधानसभा का यह अंतिम सत्र है। संसदीय कार्यमंत्री और गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा, विपक्ष ने राष्ट्गीत का अपमान किया, ये चर्चा क्या करेंगे। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने इसके जवाब में कहा, फर्जी और झूठी बात करना भारतीय जनता पार्टी का चरित्र और इतिहास है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा, हमने स्थगन प्रस्ताव पेश किया, लेकिन स्वीकार नहीं किया गया। दबाने और छिपाने की राजनीति हो रही है। सीधी विधायक केदारनाथ शुक्ला ने कहा, ब्राह्मण समाज मुझसे और सरकार से नाराज नहीं है। घर गिराने की कार्रवाई पर जरूर असंतोष व्यक्त कर रहा है। हम कोशिश में हैं कि ब्राह्मणों के बीच सही संदेश जाए। सरकार के साथ प्रवेश शुक्ला के पिता हैं। वे कह रहे हैं कि सारी साजिश कांग्रेस की है। पीड़ित भी कह रहा है कि मेरा इनसे कोई विवाद नहीं है, मैं इनके साथ हूं।

गोविंद सिंह बोले, सदन स्थगित कराना शिवराज की साजिश

नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा, भाजपा के नेता आदिवासी के सिर पर पेशाब करते हैं। घटना ने पूरे विश्व में मध्यप्रदेश को कलंकित किया। अध्यक्ष से चर्चा के लिए अनुरोध किया था। सरकार जब-जब भ्रष्टाचार और अनैतिक कार्य में फंसती है, चर्चा कराने से भागती है। जबकि, संसदीय कार्यमंत्री ने खुद चर्चा के लिए भरोसा दिलाया था। शिवराज सिंह पूरी तरह से तानाशाह मुख्यमंत्री बन गए हैं। जब-जब उन पर बात आती है, हो-हल्ला कराकर प्रजातंत्र का गला घोंटते हैं। बात नहीं करने देते। सदन स्थगित कराने की साजिश रचते हैं। दबाव में आकर अध्यक्ष भी उनकी हां में हां मिला रहे हैं।

कमलनाथ ने कहा, अपराधियों से सरकार की सहानुभूति

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा, आदिवासी अत्याचार में मध्यप्रदेश देश में नंबर-1

है। सीधी घटना से प्रदेश कलंकित हुआ। इस पर चर्चा के लिए मांग की। स्थगन प्रस्ताव दिया, लेकिन स्वीकार नहीं किया। यह दबाने और छिपाने की राजनीति है। कोई और उपाय देने को तैयार नहीं कि कैसे चर्चा होगी। अपराधियों के प्रति जब तक सरकार की सहानुभूति रहेगी, चर्चा नहीं करेगी।

नरोम मिश्रा बोले- वंदे मातरम गान का अपमान हुआ

- विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम के सीट पर बैठने से पहले कांग्रेस विधायक कांतिलाल भूरिया ने आदिवासी अत्याचार का मामला उठाया।
- संसदीय कार्यमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने हस्तक्षेप किया। अध्यक्ष ने कहा- वंदे मातरम हो जाने दीजिए।
- नरोत्तम मिश्रा बोले- इन लोगों ने वनदे मातरम का अपमान किया है। मैं निंदा करता हूं।
- पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा- संसदीय कार्यमंत्री झूठ बोल रहे हैं, वंदे मातरम गान शुरू नहीं हुआ था।
- हंगामे के बीच अध्यक्ष ने कहा- सदन की परंपरा में ये नहीं है कि वंदे मातरम हुए बिना कार्रवाई शुरू हो। ये दुखद है।

गंगोत्री धाम से लौट रहे मध्यप्रदेश के यात्रियों से भरे वाहन पर गिरा पहाड़ का मलबा, चार की मौत

भोपाल नप्र। पहाड़ों का मलबा गिरने से उत्तराखंड के गंगोत्री से यात्रा कर लौट रहे चार तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई। चारों यात्री मध्य प्रदेश के है। हादसा गंगोत्री के गंगनानी के पास हुआ हादसे में सात लोग घायल हो गए। उत्तराखंड पुलिस के अनुसार पहाड़ से गिरे मलबे में टैंपो ट्रेवलर वाहन और दो अन्य छोटे वाहन दब गए थे। मलबा इतना भारी था कि वाहन में सवार यात्री बाहर नहीं निकल पाए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटाने का काम शुरू किया। मलबे से तीन शवों को निकाल लिया है,जबकि एक शव वाहन में फंसा हुआ है। मलबे में तीन वाहन चपेट में आए है। जिनमें 30 से ज्यादा लोग सवार थे। चार यात्रियों की मौत के अलावा छह यात्री घायल हुए है। हादसे में तीन पुरुष और एक महिला है।

चारों मध्य प्रदेश के यात्री बताए जा रहे है। सडक़ पर पहाड़ का मलबा गिरने से मार्ग भी अवरुद्ध हो गया था और बचाव दल को भी मौके तक पहुंचने में दस घंटे से ज्यादा का समय लगा। बड़े पत्थरों की वजह से एक शव वाहन के भीतर ही फंसा है। उसे निकालने में कर्मचारियों को परेशानी आ रही है। मार्ग पर सात स्थानों पर मार्ग बाधित है। इस कारण ट्रैफिक जाम भी लगा है।

13 को इंदौर के लिए वापस होंगे

उत्तरकाशी हादसे में घायलों के परिजन ने बताया कि इंदौर से करीब 16 लोग चारधाम यात्रा पर गए थे। सोमवार शाम उनके वाहनों- टवेरा और टेम्पो ट्रैवलर पर पहाड़ से पत्थर गिरे। उन्होंने कहा कि गाड़ियों में रजक समाज के चार परिवारों के लोग थे, जो 5 जुलाई को इंदौर से रवाना हुए थे। इनमें 6 पुरुष और बाकी महिलाएं व बच्चे शामिल हैं। सूचना मिली थी कि गाड़ी पर पत्थर गिरने से महिला पुष्पा बाई चौहान की मौत हो गई, बाकी लोग सुरक्षित हैं। सभी लोग 13 जुलाई को इंदौर के लिए वापस रवाना होंगे।

मोबाइल कार में दबे, दूसरे लोगों के फोन से कॉल कर रहे: अंशुल नेगोत्री के परिजन ने बताया- योगेंद्र और अंशुल माली समाज से हैं। एक अन्य अंशुल जो घायल है, उससे हमारी बात हुई है। उन लोगों को एम्बुलेंस के जरिए हरिद्वार लाया जा रहा है। उन सभी के मोबाइल कार में ही दब गए इसलिए अलग-अलग लोगों के फोन से हमें कॉल कर रहे हैं।

नर्सिंग कॉलेज मामला- सीबीआई की और हाईकोर्ट का भी डर नहीं

ग्वालियर नप्र। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने नर्सिंग कॉलेज मामलों की जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए, सरकार और नर्सिंग काउंसिल पर तीखी टिप्पणी की। जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही हाईकोर्ट के जज रोहित आर्य और संजीव कलगांवकर

की संयुक्त बेंच ने कहा, जब कोर्ट ने नर्सिंग कॉलेजों की जांच का सीबीआई आदेश दिया है। उसके बाद भी वर्ष 2022-23 पूरा होने के बाद भी सरकार और नर्सिंग काउंसिल द्वारा प्रवेश परीक्षा कराई जा रही है। खंडपीठ ने कहा कि सरकार और नर्सिंग काउंसिल को लगता है, सीबीआई और हाईकोर्ट का कोई डर नहीं है। संयुक्त पीठ ने कहा जब हाईकोर्ट स्टे कर चुकी है। उसके बाद भी जो मन चाह रहा है, वही आप लोग कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि अब हाईकोर्ट को सख्त होने की जरूरत है।

पंचायत पदाधिकारियों के मानदेय में होगी तीन गुना वृद्धि - चौहान

ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से लोगों की जिन्दगी आसान बनाएं

मानवीय योजना है संबल, पूर्व सरकार ने की थी बंद, हमने जोड़े नए आयाम

आपदा से प्रभावित 26 हजार से अधिक मजदूर भाइयों को? मिले 583 करोड़ रूपए

संबल 2.0 में जोड़े गए 17 लाख पात्र श्रमिकों के नाम

भोपाल नप्र। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि त्रि-स्तरीय पंचायत, राज्य संस्थाओं के प्रतिनिधि ग्रामीण विकास योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। मनरेगा फंड सहित अन्य योजनाओं की राशि का सदुपयोग करते हुए लोगों की जिन्दगी को आसान बनाने का कार्य किया जाए। संबल योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचे इसके लिए सजग और सक्रिय रहें। मुख्यमंत्री चौहान ने आज समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास से वीसी द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री जन-कल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत प्रदेश के 26 हजार 150 श्रमिकों को 583.36

करोड़ रुपए की राशि का अंतरण किया और पंचायतराज प्रतिनिधियों से संवाद भी किया।

संवाद में प्रदेश के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायकों सहित जिला एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि श्रमिक परिवारों को प्राप्त सहायता राशि उनके लिए संबल साबित होगी। जिला पंचायत और जनपद पंचायत के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, उप सरपंच, पंच आदि के मानदेय में लगभग तीन गुना वृद्धि की जा रही है। इसके साथ ही वाहन भत्ता भी बढ़ाया जाएगा। शीघ्र ही इस संबंध में आदेश जारी होंगे। निर्विरोध चुनी गई 705 पंचायतों को 55 करोड़ 20 लाख रूपए की राशि जारी कर दी गई है।

प्राप्त राहत राशि से आजीविका की गाड़ी चलेगी

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि आज संबल योजना में दी गई राशि से मजदूर परिवारों की आजीविका की गाड़ी चल सकेगी। संबल योजना की शुरूआत वर्ष 2018 में हुई थी। 16 मई 2022 को मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) लागू की गई। गरीब श्रमिकों को रोटी, कपड़ा और मकान के अलावा संकट की स्थिति में आर्थिक सहायता मिले, इस उद्देश्य से योजना प्रारंभ की गई थी।

पूर्व डीजीपी की नातिन की बीच सड़क पर बदमाशों ने गोली मारकर की हत्या

भोपाल नप्र। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सुरेंद्र सिंह यादव की नातिन की बदमाशो ने बीच सड़क गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के समय 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली मृतका अक्षया यादव (19) अपने पड़ोस में रहने वाली सोनाक्षी शर्मा के साथ शाम के समय कोचिंग के लिये गई थी, वहां बाजार से उसने शांपिग की फिर दोनो एक्टिवा से वापस घर लौट रही थीं। आरोपी अक्षया की सहेली सोनाक्षी का मारने आए थे, लेकिन गोली अक्षया को लगी जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सिकंदर कंपू क्षेत्र में रहने वाले शैलेंद्र सिंह यादव की बेटी अक्षया यादव जो पूर्व डीजीपी सुरेंद्र सिंह यादव की नातिन भी लगती थी, सोमवार रात करीब बजे अपनी सहेली सोनाक्षी के साथ एक्टिवा पर कोचिंग गई थी। बाद में दोनो ने शॉपिंग की और वापस घर लौट रही थी। इस दौरान एक्टिवा अक्षया चला रही थी, और सोनाक्षी पीछे बेठी थी। जैसै ही वह दोनों मेस्कॉट हॉस्पिटल चौराहा निकलकर तिलक नगर के के पास मेन रोड पर पहुंची तभी पीछे से बाइक से आए आरोपियो ने उनके सामने गाड़ी रोकी

किसी को बताए पास के तालाब पर नहाने के लिए चले गए थे

स्कूल से नहाने गए तीन बच्चे तालाब में डूबे हाथी पिपल्या गांव में तालाब में डूबने से मौत

भोपाल नप्र। स्कूल से तालाब में नहाने के गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद बच्चों के गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना इंदौर शहर के पास खुड़ैल क्षेत्र की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा सोमवार दोपहर को हुआ। पुलिस के अनुसार इलाके के हाथी पिपल्या गांव में तालाब में डूबने से तीन बच्चों की जान चली गई। बताया जाता है कि शहर से करीब एक किलोमीटर दूर गांव में तालाब है। जानकारी के अनुसार बच्चे क्षेत्र के सोमदीप स्कूल में पढ़ते थे।

बताया जाता है कि सोमवार को स्कूल आने के बाद तीनों दोस्त बिना किसी को बताए पास के तालाब पर नहाने के लिए चले गए थे जहां डूबने से उनकी मौत हो गई ।जब बच्चे शाम को अपने घर नहीं पहुंचे तो स्वजनों ने उनकी तलाश आरंभ की। जब स्वजन तालाब के पास पहुंचे तो उन्हें बच्चों के कपड़े मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तालाब से बच्चों के शवों को बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया है ।दो छात्रों के अनाम अंशुल पुत्र गिरीश पटेल और प्रियांशु पुत्र सतीश पता चले हैं। एक छात्र का नाम अभी पता नहीं चल पाया है। जानकारी मिली है कि दो बालक अपने परिवार के इकलौते पुत्र हैं ।घटना के बाद बच्चों के गांव में मातम पसरा हुआ है। पीडित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र को झटका

ईडी डायरेक्टर का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाना अवैध

नई दिल्ली एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय केनिदेशक संजय मिश्रा का डायरेक्टर के तौर पर कार्यकाल बढ़ाने के मामले में केन्द्र को सुप्रीम कोर्ट से मंगलवार को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के निदेशक मिश्रा के डायरेक्टर के तौर पर कार्यकाल को घटा दिया है। अब मिश्रा का कार्यकाल 31 जुलाई तक रहेगा। पहले संजय मिश्रा को 18 नवंबर को 2023 को सेवानिवृत्त होना था। केन्द्र की मोदी सरकार ने तीसरी बार उनका कार्यकाल बढ़ाया था। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को कहा 31 जुलाई तक आपके पास नए डायरेक्टर की नियुक्ति के लिए पर्याप्त समय है।

संजय मिश्रा के कार्यकाल को घटाया

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सीवीसी और डीएसपीआई एक्ट में किए गए संसोधन की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा। इन संसोधन के द्वारा सीबीआई और ईडी निदेशक का कार्यकाल 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने कहा कि इस साल वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) द्वारा की जा रही सहकर्मी समीक्षा के मद्देनजर और सुचारु बदलाव को करने के लिए एसके मिश्रा का कार्यकाल 31 जुलाई तक रहेगा।

जीएसटी काउंसिल बैठक

निर्मला सीतारमण और आतिशी में टकराव

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली में मंगलवार को जीएसटी काउंसिल मीटिंग में केन्द्रीय वित्त मंत्री सीतारमण और दिल्ली की मंत्री आतिशी के बीच टकराव देखने को मिला। एक ओर जहां जीएटी को पीएमएलए के दायरे में लाने की बात की जा रही है, वहीं इसके दुरुपयोंग पर भी चर्चा हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएसटी काउंसिल की 50वीं बैठक आज मंगलवार 11 जुलाई को नई दिल्ली में हुई। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बैठक की अध्यक्षता की। सूत्रों ने कहा कि 50वीं जीएसटी समिति की बैठक में जीएसटी प्रणाली को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के

दायरे में लाने को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनकी दिल्ली समकक्ष आतिशी के बीच शब्दों का टकराव देखा गया। हालांकि इसे लेकर कहा जा रहा है कि इस बहस के बाद मीटिंग का माहौल काफी गरमा गया। वहीं आम आदमी पार्टी का विरोध भी सामने आया है।

जेकेएलएफ के 10 पूर्व आतंकवादी और अलगाववादी गिरफ्तार

श्रीनगर नप्र। प्रतिबंधित संगठनों जेकेएलएफ और हुर्रियत को पुनर्जीवित करने की साजिश रचने से जुड़े एक मामले में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति और अन्य लोग पाकिस्तान स्थित आकाओं के निर्देश पर इन संगठनों को पुनर्जीवित करने की योजना बना रहे थे। उनकी बैठक इन मरणासन्न संगठनों के पुनरुद्धार के लिए काम शुरू करने का एक खुला प्रयास था। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से यह भी पता चला है कि वे विदेश स्थित संस्थाओं के संपर्क में थे, उनमें से कुछ

भोपाल, ग्वालियर और उज्जैन में बारिश- एमपी के 11 जिले तरबतर, उज्जैन में 2 इंच पानी गिरा; दो दिन पूरा प्रदेश भीगेगा

भोपाल नप्र। मध्यप्रदेश में मंगलवार को 11 जिलों में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई। उज्जैन में 9 घंटे के भीतर दो इंच तो ग्वालियर में डेढ़ इंच से ज्यादा पानी गिरा। भोपाल, छिंदवाड़ा, बालाघाट, बैतूल, भोपाल, धार, नर्मदापुरम, इंदौर, खरगोन, पचमढ़ी और रतलाम में भी बारिश दर्ज की गई।

मध्यप्रदेश में अगले दो दिन तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। श्योपुर में अति भारी बारिश का अलर्ट है। ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के 23 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। यहां 2.5 इंच से ज्यादा पानी गिरने का अनुमान है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि प्रदेश में दो दिन बारिश की एक्टिविटी ज्यादा रहेगी। भोपाल में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। मंगलवार को इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, सागर संभाग के जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। नॉर्थ ईस्ट राजस्थान के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। यह उत्तरी मध्यप्रदेश से होकर पूर्व की ओर बढ़ेगा।

ऐसे रहेंगे अगले 24 घंटे

अति भारी बारिश: श्योपुरकलां में अति भारी बारिश का अलर्ट है। यहां साढ़े 4 इंच से 8 इंच तक बारिश हो सकती है।

भारी बारिश: विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, बैतूल, हरदा, उज्जैन, शाजापुर, मंदसौर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, अनूपपुर, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, सिवनी, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर में भारी बारिश हो सकती है। ढाई से साढ़े 4 इंच तक पानी बरस सकता है।

हल्की बारिश: भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के अन्य

संपादकीय

यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर लगातार त्रासद घटनाओं के सामने आते रहने के बावजूद कोई भी सबक लेने को तैयार नहीं है। किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अपने गंतव्य के लिए निकले लोगों के सामने जान गंवाने की नौबत न आए। मगर ऐसा लगता है कि हमारे यहां हादसों को लेकर सड़क प्रबंधन से जुड़े महकमे और निजी इकाइयों से लेकर आम लोगों के बीच भी कोई सजगता नहीं है, जबकि एक पल की चूक या लापरवाही की वजह से नाहक ही कइयों की जान चली जाती है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार को हुआ हादसा इसका प्रमाण है कि ऐसी लगातार त्रासद घटनाओं के सामने आते रहने के बावजूद कोई भी सबक लेने को तैयार नहीं है। गौरतलब है कि इस एक्सप्रेस-वे पर एक स्कूल बस उल्टी दिशा से आ रही थी और उससे तेज रफ्तार में अपने रास्ते जा रही एक कार की सीधी टक्कर हो गई। इसमें छह लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गनीमत रही कि हादसे के वक्त बस में स्कूली बच्चे सवार नहीं थे। वरना कल्पना की जा सकती है कि इस घटना के बाद क्या हालत होती। इसमें कोई संदेह नहीं कि एक्सप्रेस-वे जैसी सड़क पर उल्टी दिशा से आने वाली बस का ड्राइवर इसके लिए साफतौर पर जिम्मेदार है। लेकिन इस हादसे का जो स्वरूप सामने आया, वह एक्सप्रेस-वे पर सफर के प्रबंधन से जुड़े सभी लोगों की बहुस्तरीय लापरवाही का एक शर्मनाक उदाहरण है। सवाल है कि किसी भी वजह से स्कूल बस का ड्राइवर उल्टी दिशा से कैसे प्रवेश कर गया और कई किलोमीटर तक निर्बाध चलता रहा? दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे का प्रबंधन किसके पास है और ऐसी स्थिति में किसी वाहन को तत्काल रोकने और उस पर कार्रवाई की क्या व्यवस्था है? हैरानी की बात है कि इस तरह की सड़कों पर रफ्तार की वजह से कुछ खास वाहनों के इस पर चलने को सीमित या प्रतिबंधित किया गया है। लेकिन क्या बाकी गाड़ियों के तय सीमा में चलने को लेकर कोई ठोस व्यवस्था है? सड़क पर हर जगह सीसीटीवी की व्यवस्था तो कर दी गई है, लेकिन उसमें निर्धारित गति से ज्यादा तेज या अपनी लेन में नहीं चलने वाले वाहनों को रोकने या नियंत्रित करने की क्या कोई व्यवस्था है? ऐसे लंबे मार्गों पर इसके प्रबंधन से जुड़े विभाग या किसी संबंधित कंपनी की ओर से अचानक उपजी परिस्थिति या हादसे की हालत में सहायता के लिए क्या इंतजाम किए जाते हैं? दरअसल, एक्सप्रेस-वे को सड़क से लेकर घेरेबंदी आदि हर स्तर पर इस स्वरूप में बनाया जाता है कि उस पर आवाजाही को न केवल निर्बाध और तेज रफ्तार बनाया जा सके, बल्कि नियमों के अनुकूल सुरक्षित सफर भी सुनिश्चित किया जा सके। लेकिन हकीकत यह है कि देश भर के एक्सप्रेस-वे पर केवल तेज रफ्तार की वजह से हर साल लगातार हादसे सामने आते रहते हैं और उनमें सैकड़ों लोगों की नाहक ही जान चली जाती है। केवल अच्छी और तेज रफ्तार निर्बाध सड़कें ही सहज यातायात के लिए जरूरी नहीं हैं, बल्कि किसी भी वाहन चालक के लिए सबसे पहले उस पर चलने का सलीका सीखने या उचित प्रशिक्षण की जरूरत है।

राहुल गांधी का 'हिट' पश्चिम बंगाल पर 'फिट'

लेखक
डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

हिंसा और उपद्रव के माहौल में निष्पक्ष चुनाव सम्भव भी नहीं होते। इस चुनाव में बैलेट से चुनाव की वास्तविकता भी सामने आ गई है। विगत नौ वर्षों में जहां भी भाजपा विजयी हुई, वहां विपक्ष ने ईवीएम पर हमला बोला। तब उनका कहना था कि ईवीएम में गड़बड़ी करके भाजपा ने चुनाव जीता है। चुनाव आयोग तक गुहार लगाई गई। चुनाव आयोग ने आरोप सिद्ध करने के लिए विपक्षी पार्टियों को आमंत्रित किया। लेकिन किसी ने चुनौती स्वीकार नहीं की। वैसे चुनाव में जब विपक्षी पार्टियां विजयी होती थीं, तब सर्वाधिक राहत ईवीएम को मिलती थी। वह विपक्षी हमले से बच जाती थी। तब कोई यह नहीं कहता था कि चुनाव बैलेट से होने चाहिए। भला हुआ कि अभी कर्नाटक में कांग्रेस जीत गई। विपक्षी नेता वहां जश्न मनाने पहुंच गए। यदि भाजपा विजयी होती तो अभी तक ईवीएम पर हमले हो रहे होते। उधर, पश्चिम बंगाल में बैलेट से चुनाव की अच्छी दशा दिखाई देती तो देश में बैलेट से चुनाव कराने की मांग हो रही होती।

तीर की तरह बयान भी कई बार गलत निशाने पर लग जाते हैं। राहुल गांधी के ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक में दिए गए बयानों का भी यही अंजाम हुआ। भारत का नाम लेकर उन्होंने नरेन्द्र मोदी पर निशाना लगाया। लेकिन उनके बयान पश्चिम बंगाल पर फिट हो गए। निशाने पर ममता बनर्जी आ गईं। राहुल गांधी ने विदेशों में आरोप लगाए थे कि भारत में लोकतंत्र को समाप्त किया जा रहा है। वह अपने बयान के समर्थन में कोई उचित प्रमाण नहीं दे सके थे। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि भारत में कुछ लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। राहुल के ये बयान भारत पर तो लागू नहीं हुए, लेकिन पश्चिम बंगाल में पूरी तरह चरितार्थ हुए हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव इसका प्रमाण है। शांति पूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने में प्रदेश सरकार पूरी तरह विफल रही। हिंसा और उपद्रव के माहौल में निष्पक्ष चुनाव सम्भव भी नहीं होते। इस चुनाव में बैलेट से चुनाव की वास्तविकता भी सामने आ गई है। विगत नौ वर्षों में जहां भी भाजपा विजयी हुई, वहां विपक्ष ने ईवीएम पर हमला बोला।

तब उनका कहना था कि ईवीएम में गड़बड़ी करके भाजपा ने चुनाव जीता है। चुनाव आयोग तक गुहार लगाई गई। चुनाव आयोग ने आरोप सिद्ध करने के लिए विपक्षी पार्टियों को आमंत्रित किया। लेकिन किसी ने चुनौती स्वीकार नहीं की। वैसे चुनाव में जब विपक्षी पार्टियां विजयी होती थीं, तब सर्वाधिक राहत ईवीएम को मिलती थी। वह विपक्षी हमले से बच जाती थी। तब कोई यह नहीं कहता था कि चुनाव बैलेट से होने चाहिए। भला हुआ कि अभी कर्नाटक में कांग्रेस जीत गई। विपक्षी नेता वहां जश्न मनाने पहुंच गए। यदि भाजपा विजयी होती तो अभी तक ईवीएम पर हमले हो रहे होते। उधर, पश्चिम बंगाल में बैलेट से चुनाव की अच्छी दशा दिखाई देती तो देश में बैलेट से चुनाव कराने की मांग हो रही होती। पश्चिम बंगाल के लिए चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। यहां तो कम्युनिस्टों की सरकार से लेकर आज तक यही हो रहा है। विधानसभा चुनाव के दौरान और परिणाम के फौरन बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का दौर शुरू हुआ था। इसमें सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लोगों की सहभागिता सामने आई थी। यह भी आरोप था कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस हिंसा को रोकने में कोई गंभीरता नहीं दिखाई। आरोप लगा कि सत्ता पक्ष अपने विरोधियों में भय का संचार करना चाहता था। यह राजनीति की कम्युनिस्ट शैली थी, जिसे तृणमूल ने अपना लिया। तब लोकसभा सदस्य ज्योतिर्मय सिंह महतो के नेतृत्व में भाजपा सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की थी। राष्ट्रपति भवन में हुई इस मुलाकात में सांसदों ने कोविंद को एक पत्र सौंप कर कहा कि पूरे पश्चिम बंगाल में अराजकता और डर का माहौल है। राज्य की कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। पश्चिम बंगाल के जंगल महल क्षेत्र में माओवादियों और अपराधियों की सक्रियता भी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जो कि चिंता का विषय है। अपराधियों और नक्सलियों के छुपने के लिए जंगल महल एक सुरक्षित स्थान बन गया है। बावजूद इसके राज्य सरकार और उसके आला अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। पुरुलिया कोल माफिया और रेत माफिया प्रशासन की शह पाकर खुले तौर पर अवैध कारोबार कर रहे हैं। जिन परिवारों ने भाजपा का समर्थन किया था उन्हें चुनाव बाद हुई हिंसा में अपने प्रियजनों को खोना पड़ा। राज्य की एक बड़ी आबादी डर के माहौल में जी रही है। भाजपा समर्थक लोगों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया।

इस समय पश्चिम बंगाल की राजनीतिक हिंसा पर एक रिपोर्ट भी जारी हुई थी। इसमें कहा गया था कि यहां चुनाव के बाद से ही हिंसक गतिविधि चलती रही है। इसमें भाजपा का समर्थन करने वाले निशाने पर थे। हिंसक तत्वों को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का खुला समर्थन था। यही कारण था कि पुलिस व प्रशासन ऐसी घटनाओं को नजरन्दाज करता रहा। इससे हिंसक तत्वों का मनोबल बहुत बढ़ गया था। पीड़ित लोगों की पुलिस थानों में कोई सुनवाई नहीं थी। वस्तुतः यह हिंसा सुनियोजित थी। इसका उद्देश्य भाजपा समर्थकों में भय फैलाना था। गृह मंत्रालय की ओर से पोस्ट इलेक्शन वायलेंस पर बनाई गई फैक्ट फाइंडिंग कमिटी में सिक्किम हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके जस्टिस प्रमोद कोहली, केरल के पूर्व चीफ सेक्रेटरी आनंद बोस, कर्नाटक के पूर्व अतिरिक्त सचिव मदन गोपाल, आईसीएसआई के पूर्व अध्यक्ष निसार चंद अहमद और झारखंड की पूर्व डीजीपी निर्मल कौर शामिल थे। टीएमसी ने विधानसभा चुनाव में विजय मनाने से पहले ही विध्वंस की राजनीति शुरू की थी। ऐसी कोई घटना यदि भाजपा शासित राज्य में हो जाती तो तूफान खड़ा कर दिया जाता। जब बंगाल में दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और महिलाओं के साथ हिंसा होती है तो मानवाधिकार कार्यकताओं की आवाज भी नहीं निकलती। पंचायत चुनाव में हिंसा और बूथ कैप्चरिंग पर विपक्षी दलों का मौन उनके विचारों को उजागर करने वाला है।

डॉ. अनिर्बान गांगुली ने कहा कि मतदान से एक दिन पूर्व टीएमसी ने राज्य भर में अपनी मशीनरी का उपयोग करते हुए अपने सशस्त्र गुंडों को तैनात कर दिया। इन दस्तों को विभिन्न इलाके में देखा गया, लेकिन सूचना दिये जाने के बाद भी पुलिस मूकदर्शक बनी रही। मतदान के दिन कई लोगों को केंद्र पहुंचने पर पता चला कि उनका वोट पहले ही डाला जा चुका है, कुछ को वापस लौटा दिया गया और अन्य बिना मतदान किए वापस जाने को मजबूर थे। यह हालात उस वक्त देखने को मिले जब टीएमसी के सशस्त्र गुंडों ने मतदान केंद्रों को अपने कब्जे में लेना आरंभ किया। इस दौरान अन्य दलों के बूथ एजेंटों पर हमला किया गया और मतदान अधिकारियों को भी केंद्रों से बाहर निकाल दिया गया। भाजपा बूथ एजेंटों को बूथों से दूर कर दिया गया। टीएमसी संरक्षण प्राप्त इन बाहरी उपद्रवी तत्वों ने सभी बूथों का नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया। ये गुंडे कभी हवा में बंदूक लहराते और कभी फायरिंग करते भी नजर आये। वास्तविकता यह है कि मतदान केंद्रों के सामने कोई कतार नहीं थी। फिर भी राज्य के चुनाव आयोग ने दावा किया कि इन चुनावों में अस्सी प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। कुल मिलाकर मतदान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रहा।

प्रशासन की लापरवाही से आफत की

लेखक
डॉ. अनिल कुमार निगम

हर प्रदेश सरकार और स्थानीय नगर निकाय वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और नालों के निर्माण और उनकी सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं,लेकिन यह काम धरातल पर कम और कागजों पर ज्यादा सरपट दौड़ लगाते हैं। इस समय बारिश का पानी संचय होने की जगह सीधे नालों और नदियों में जा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि राज्य सरकारें, स्थानीय निकाय और प्रशासन बरसात के पहले इसकी तैयारी क्यों नहीं करते? और अगर शहरों का प्रशासन इसमें हीलाहवाली करता है अथवा संबंधित लोग वाटर हार्वेटिंग सिस्टम को लगाने और उसे चालू रखने में लापरवाही बरतता है तो उनसे सख्ती से क्यों नहीं निपटता?

विगत कुछ दिनों से देश के विभिन्न हिस्सों में हो रही बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। अब तक करीब सौ लोगों को मौत हो चुकी है। अनेक पुल पानी के बहाव में बह गए हैं। देश की राजधानी सहित अनेक स्मार्ट शहरों में जल का भारी जमाव हो रहा है। मानसून में बारिश होना पूरी तरह से स्वाभाविक प्रक्रिया है। शहरों और घरों में पानी का सैलाब जो उमड़ रहा है, वह प्राकृतिक आपदा कम बल्कि मानव निर्मित आपदा ज्यादा है। भूजल का संकट झेल रहे भारत में बारिश का पानी अभी भी नालों, नालियों और नदियों में बह रहा है। अधिसंख्य शहरों में ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से पंगु है और वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कागजों में चल रहा है। यही कारण है कि तेज बारिश के चलते अरबों रुपये का संपत्ति और लोगों की जान का नुकसान हो चुका है।

दिलचस्प बात यह है कि हर प्रदेश सरकार और स्थानीय नगर निकाय वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और नालों के निर्माण और उनकी सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं,लेकिन यह काम धरातल पर कम और कागजों पर ज्यादा सरपट दौड़ लगाते हैं। इस समय बारिश का पानी संचय होने की जगह सीधे नालों और नदियों में जा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि राज्य सरकारें, स्थानीय निकाय और प्रशासन बरसात के पहले इसकी तैयारी क्यों नहीं करते? और अगर शहरों का प्रशासन इसमें हीलाहवाली करता है अथवा संबंधित लोग वाटर हार्वेटिंग सिस्टम को लगाने और उसे चालू रखने में लापरवाही बरतता है तो उनसे सख्ती से क्यों नहीं निपटता? क्या, शासन और प्रशासन ऐसे ही लापरवाही करता रहेगा और जनता समस्याओं से जूझती रहेगी?

देश की राजधानी दिल्ली में अत्यंत खराब स्थिति है। बरसाती नालों की सफाई न होना भी जलभराव का एक छोटा सा कारण है, लेकिन इसकी असली समस्या कुछ और है। दिल्ली में इस समस्या की मूल वजह ड्रेनेज की समुचित व्यवस्था न होना है। वास्तविकता तो यह है कि दिल्ली का 65 फीसदी हिस्सा अनियोजित तरीके से बसा है। इस क्षेत्र में सुनियोजित तरीके से ड्रेनेज सिस्टम नहीं बनाया गया है। चौंकाने की बात यह है कि यहां पर 1700 अनियमित कॉलोनियां हैं, जहां ड्रेनेज सिस्टम ही नहीं है।

उत्तर प्रदेश में दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की स्थिति कमोवेश एक जैसी है। प्रयागराज और वाराणसी का ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने के लिए करोड़ों रुपये बहाए गए, लेकिन व्यवस्था आज ठीक नहीं सकी। मेरठ शहर में भी जरा सा पानी बरसा और सड़कें लबालब। यही हाल अलीगढ़, बरेली, आगरा, मुरादाबाद व अन्य शहरों का है।

जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू की आबादी 16 लाख से अधिक है। बरसात का पानी नालों के जरिए तवी नदी में जाता है। आबादी बढ़ने के साथ पक्के मकान भी बढ़ते गए। चौदह बड़े नाले शहर के बीच आ गए। तब ये नाले 50 से 60 फीट चौड़े थे जो अतिक्रमण के कारण अब 10-20 फीट ही रह गए हैं। जम्मू पश्चिम में सीवरेज शुरू होने से शहर के करीब 20 प्रतिशत हिस्से में जल निकासी में थोड़ा सुधार हुआ, लेकिन निचले क्षेत्र आज भी तेज बारिश में जलभराव समस्या झेलते हैं। पांच हजार साल पहले बसे श्रीनगर की आबादी इस समय 14 लाख से ऊपर पहुंचने के बावजूद यहां 60 फीसद क्षेत्र में ड्रेनेज व्यवस्था ही नहीं है। प्रदेश में दस लाख से अधिक आबादी वाले दो बड़े शहर गुरुग्राम और फरीदाबाद हैं। नई ड्रेनेज लाइन 1970 के दौरान नए सेक्टरों में तो डाली गई, मगर यह लाइन कहां से शुरू हुई और किस नदी-नाले में मिलेगी, इसका छोर या अंत किसी को नहीं पता। 2010 में पुराना फरीदाबाद में 30.64 करोड़ रुपये की लागत से जवाहर लाल नेहरू अर्बन रिन्यूवल मिशन के तहत ड्रेनेज लाइन डाली गई थी मगर यह लाइन भी बरसाती पानी की निकासी के लिए कभी कारगर साबित नहीं हुई। वहीं, पूरा गुरुग्राम निचले क्षेत्र में बसा है। शहर के अनुरूप ड्रेनेज सिस्टम विकसित नहीं किया गया।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नवाब के समय स्विट्जरलैंड की तर्ज पर तालाबों को लिंक कर ड्रेनेज सिस्टम बनाया गया था। यह सिस्टम अब पूरी तरह खत्म हो गया है। नालों पर अतिक्रमण होते गए, पानी रुकने लगा। यही हाल इंदौर का भी है। यहां तीन हजार किलोमीटर लंबी सड़कें हैं, लेकिन 10 फीसद में भी बारिश के पानी की निकास की व्यवस्था नहीं है। देश के विभिन्न शहरों में भी बहुत अच्छी स्थिति नहीं है।

वास्तविकता तो यह है कि जिस तरीके से भारत में भूजल का स्तर नीचे जा रहा है, बरसाती पानी का संचय करना बहुत आवश्यक है। ज्यादातर सरकारी और गैर सरकारी भवनों में वर्ष जल संरक्षित करने की व्यवस्था नहीं है। दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में सरकारी और गैर सरकारी भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम समुचित तरीके से काम नहीं करते हैं। यही कारण है कि राजधानी दिल्ली के द्वारका की कई सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन प्रणाली के बंद होने की शिकायत पर एनजीटी ने दिल्ली सरकार से इस संबंध में रिपोर्ट मांग थी। वर्षा जल संचयन प्रणाली को लेकर लापरवाही करने वालों पर पांच लाख रुपये तक जुमार्ना लग सकता है। जुमार्ना से बचने के लिए आवासीय व व्यवसायिक परिसरों में वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाने के बाद उसके रखरखाव पर ध्यान नहीं देते हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) में दिल्ली सरकार द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट में वर्षा चल संचयन के चालू स्थिति में नहीं होने पर पांच लाख रुपये तक पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा गया था। द्वारका की कई सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन प्रणाली के बंद होने की शिकायत पर एनजीटी ने दिल्ली सरकार से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी थी।

मौसम की क्रूरता और इंसानी लापरवाही

लेखक
कुलभूषण उपमन्यु

सैकड़ों पर्यटक जगह-जगह फंसे हुए हैं। ईश्वर का शुक्र है कि सब सुरक्षित हैं। सरकार भी उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील हो कर कार्रवाई कर रही है किन्तु बरसात में पर्यटन को किस तरह दिशा-निर्देशित किया जाना चाहिए इस बात की कमी खलती है। पर्यटन सूचना केन्द्रों का नेटवर्क सक्रिय होना चाहिए जो बरसात के खतरों से अवगत करवाए। मंडी में हुई तबाही के पीछे लारजी और पंडोह बांधों से अचानक छोड़ा गया पानी भी जिम्मेदार माना जा रहा है। बांधों के निर्माण के समय बाढ़ नियंत्रण में बांधों की भूमिका का काफी प्रचार किया जाता रहा है किन्तु देखने में तो उल्टा ही नजर आ रहा है। बांधों से अचानक और बड़ी मात्रा में छोड़ा जा रहा पानी ही अप्रत्याशित बाढ़ का कारण बनता जा रहा है। बरसात से पहले बांधों में बाढ़ का पानी रोका जा सके, इसके लिए बांधों को खाली रखा जाना चाहिए किन्तु अधिक से अधिक बिजली पैदा करने के लिए बांध भरे ही रहते हैं। बरसात आने पर पानी जब बांध के लिए खतरा पैदा करने के स्तर तक पंहुचने लगता है तो अचानक इतना पानी छोड़ दिया जाता है

वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन ने अपना क्रूर चेहरा दिखाना शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में जुलाई में 200 प्रतिशत से ज्यादा बारिश हो चुकी है। यही हाल उत्तराखंड का है। हिमाचल प्रदेश के मंडी, कुल्लू, चंबा, शिमला, सिरमौर में जान-माल की अप्रत्याशित तबाही दिल दहला देने वाली है। मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है है। जगह-जगह लोग प्रकृति के क्रोध के शिकार हो कर असहाय अनुभव कर रहे हैं। सरकार मरहम लगाने की कोशिश कर रही है। किन्तु साल दर साल बढ़ती बाढ़ की विभीषिका कई सवाल खड़े कर रही है। सवाल यह है कि जलवायु परिवर्तन के असर की भविष्यवाणी तो कई सालों से की जा रही है तो हिमालय जैसे नाजुक पर्वत क्षेत्र में उचित सावधानियां क्यों नहीं उठाई गई हैं।

सैकड़ों पर्यटक जगह-जगह फंसे हुए हैं। ईश्वर का शुक्र है कि सब सुरक्षित हैं। सरकार भी उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील हो कर कार्रवाई कर रही है किन्तु बरसात में पर्यटन को किस तरह दिशा-निर्देशित किया जाना चाहिए इस बात की कमी खलती है। पर्यटन सूचना केन्द्रों का नेटवर्क सक्रिय होना चाहिए जो बरसात के खतरों से अवगत करवाए। मंडी में हुई तबाही के पीछे लारजी और पंडोह बांधों से अचानक छोड़ा गया पानी भी जिम्मेदार माना जा रहा है। बांधों के निर्माण के समय बाढ़ नियंत्रण में बांधों की भूमिका का काफी प्रचार किया जाता रहा है किन्तु देखने में तो उल्टा ही नजर आ रहा है। बांधों से अचानक और बड़ी मात्रा में छोड़ा जा रहा पानी ही अप्रत्याशित बाढ़ का कारण बनता जा रहा है। बरसात से पहले बांधों में बाढ़ का पानी रोका जा सके, इसके लिए बांधों को खाली रखा जाना चाहिए किन्तु अधिक से अधिक बिजली पैदा करने के लिए बांध भरे ही रहते हैं। बरसात आने पर पानी जब बांध के लिए खतरा पैदा करने के स्तर तक पंहुचने लगता है तो अचानक इतना पानी छोड़ दिया जाता है जितना शायद बिना बांध के आई बाढ़ में भी न आता। इन मुद्दों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और बांध प्रशासन को निर्देशित किया जाना चाहिए। बांधों की बाढ़ नियन्त्रण भूमिका को सक्रिय किया जाना चाहिए।

दूसरी बड़ी गडबड़ी सड़क निर्माण में हो रही लापरवाही से भी हो रही है। निर्माण कार्य में निकलने वाले मलबे को निर्धारित स्थानों, डंपिंग स्थलों में न फेंक कर यहां वहां फेंक दिया जाता है और वही मलबा बाढ़ को कई गुणा बढ़ाने का कारण बन जाता है। मलबा जब एक बार नीचे ढलानों पर खिसकना शुरू हो जाता है तो अपने साथ और मलबा बटोरता जाता है, जिससे भारी तबाही का मंजर नजर आता है। नदी-नालों में जब यह मलबा पहुंचता है तो नदी का तल ऊपर उठ जाता है और वह क्षेत्र जो पहले कभी बाढ़ की जद में नहीं आए थे वह भी अब बाढ़ की जद में आ जाते हैं। सड़क निर्माण में जल निकासी का भी ध्यान नहीं रखा जाता है। सड़क किनारे बनाई गई नालियों से जल एकत्र हो कर कहीं एक जगह छोड़ दिया जाता है जो भू-कटाव को बढ़ने का कारण बनता है। सड़क निर्माण विधिवत पर्वतीय दृष्टिकोण से कट एंड फिल तकनीक से किया जाना चाहिए। पहाड़ों में सड़क के विकल्पों पर भी सोचा जाना चाहिए। सड़क तो जीवन रेखा है, किन्तु जीवन रेखा यदि जीवन को ही लीलने लग जाए तो सोचना पड़ेगा कि गड़बड़ कहां हो रही है। सड़क के विकल्प के रूप में मुख्य मार्गों से लिंक सड़कों के बजाय उन्नत तकनीक के रज्जू मार्ग बनाए जा सकते हैं। किन्तु इस दिशा में सरकारों ने सोचना ही शुरू नहीं किया है। हां पर्यटन आकर्षण के रूप में कुछ-कुछ जगहों में रज्जू मार्ग बने हैं। उनके अनुभव से सस्ती और टिकाऊ यातायात सुविधा निर्मित की जा सकती है। फिलहाल जब यह बात उजागर हो गई है कि मलबा डंपिंग की भूमिका भूस्खलन बढ़ाने में मुख्य है तो सरकार का यह फर्ज बनता है कि इसका सुओ-मोटो संज्ञान ले कर जहां-जहां नुकसान हुआ है वहां तकनीकी जांच करवाई जाए। राष्ट्रीय राजमार्गों के मामले में चीफ विजिलेंस अफसर को जांच के लिए कहना चाहिए। साल 1994 में भागीरथी के तट पर, जब टिहरी बांध विरोधी आन्दोलन चल रहा था तब हिमालय बचाओ आन्दोलन का घोषणा पत्र जारी हुआ था। इसकी मुख्य मांग थी कि हिमालय की नाजुक परिस्थिति के मद्देनजर हिमालय के लिए विकास की विशेष प्रकृति मित्र योजना बनाई जाए। योजना आयोग के डॉ. एसजेड कासिम की अध्यक्षता में बनाई गई विशेष समिति ने भी 1992 में इसी आशय की रिपोर्ट जारी की थी किन्तु उस पर भी कोई अमल नहीं हुआ। पर्वतीय क्षेत्रों के लोग लगातार विकास के नाम पर चल रही अंधी दौड़ के विरोध में अपनी आवाज बुलंद करते रहे हैं किन्तु सरकारों और तकनीकी योजना निमार्ताओं के कानों में जूं भी नहीं रेंगती है। एक अच्छा बहाना इन लोगों को मिल जाता है कि प्रकृति के आगे हम क्या कर सकते हैं, किन्तु इन लोगों को पूछा जाना चाहिए कि प्रकृति को इतना मजबूर करने का आपको क्या हक है कि प्रकृति बदला लेने पर उतारू हो जाए। हालांकि इस विषय पर चर्चा तो सरकारी क्षेत्रों में चलती रहती है, वर्तमान सरकार में भी नीति आयोग द्वारा हिमालयी क्षेत्र में विकास की दिशा तय करने के लिए रीजनल काउंसिल का गठन किया गया है।

रीजन मीट एवं 28 क्लबों का संस्थापन समारोह संपन्न

फतवा समाचार ◈ धार

रीजन 7 के रीजन चेयरपर्सन लायन ओमप्रकाश सोलंकी की अध्यक्षता में रीजन मीट संपन्न हुई जिसके मुख्य अतिथि पीडीजी लायन डॉ जवाहर जी बिहानी ,मुख्य वक्ता लायन रश्मि जी गुप्ता पीडीजी, लायन योगेन्द्र जी रुनवाल प्रथम वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ,लायन अनिल जी खंडेलवाल द्वितीय वॉइस डिस्ट्रिक्ट ,लायन जयप्रकाश त्रिपाठी रीजन सलाहकार की उपस्थिति मैं संपन्न हुआ ,जिसमें लायंस क्लब धार मेन ,धार एक्टिव कपल ,धार सिटी, धार एक्टिव, तिरला, तिरला एक्टिव, सरदारपुर ,घाटाबिल्लोद, बदनावर ,नागदा धार, पेटलावद, थांदला ,लायंस क्लब धार, धार भोज के लायन साथी रीजन मीट में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता दी! प्रारंभ में कार्यक्रम संयोजक लायन श्रवण त्रिपाठी ने स्वागत उद्बोधन दिया! लायन भावना अग्निहोत्री ने ध्वज वंदना प्रस्तुत की !नेहा मकवाना की टीम ने गणेश वंदना कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया ! तत्पश्चात रीजन चेयरपर्सन लायन ओमप्रकाश सोलंकी ने रीजन के लक्ष्यौ की जानकारी प्रस्तुत की !मुख्य अतिथि एवं संस्थापन पदाधिकारी लायन डॉक्टर जवाहर बिहानी जी ने 28 लायन्स क्लबो के पदाधिकारियों को उनके पदीय दायित्वों को समझाते हुए संस्थापित कराया! मुख्य वक्ता लायन रश्मि जी गुप्ता ने सफलता के सूत्र पर अपना वक्तव्य दिया !प्रथम वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन योगेंद्र जी रुनवाल ने टीम बिल्डिंग पर अपने विचार व्यक्त किए तथा द्वितीय वॉइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अनिल जी खंडेलवाल ने डिस्ट्रिक्ट के आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की! प्रमुख क्लबों में जैसे लायंस क्लब धार एक्टिव कपल के अध्यक्ष लायन सुमेर पटेल ,लायंस क्लब धार मेन के अध्यक्ष लायन अनुराग गुप्ता ,लायंस क्लब धार सिटी के अध्यक्ष लायन चैतन्य त्रिपाठी, लायंस क्लब धार एक्टिव के अध्यक्ष लायन पवन अग्रावत, सरदारपुर की अध्यक्ष लायन अनुपमा शास्त्री ,लायंस क्लब तिरला के अध्यक्ष लायन सुरेश पाटीदार ,घाटाबिल्लोद के अध्यक्ष लायन प्रेम कुमार जाट, लायंस क्लब बदनावर सेवा सहयोग के अध्यक्ष लायन विष्णु बैरागी ,नागदा धार के अध्यक्ष लायन विनोद कुमार कोठारी एवं अन्य 20 क्लबो के अध्यक्षों ने अपनी पूरी टीम के साथ शपथ ग्रहण किया! कार्यक्रम का सफल संचालन लायन चैतन्य त्रिपाठी ने किया तथा अंत में रीजन सचिव लायन अशोक पाटीदार में आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस ने निकाली जन जागरूकता बाइक रैली सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता रहे शामिल

फतवा समाचार ◈ टीकमगढ़

मंगलवार को जतारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लगभग 20 किलोमीटर तक कांग्रेस नेता पंकज अहिरवार के नेतृत्व में जन जागरूकता बाइक रैली निकाली गई जिसमें सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल रहे। आपको बता दे जन जागरूकता बाइक रैली का शुभारंभ खरगूपुर तिराहे से किया गया जो दिनऊ मंदिर प्रेमपुरा एवं कलरा कंजना मार्ग से होते हुए निबौरा गांव पहुंची, जहां पर एक विशाल जनसभा को संबोधित किया गया साथ ही स्कूल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया वृक्षारोपण कार्यक्रम में जगन्नाथ अहिरवार, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष दुलीचंद अहिरवार, उमाशंकर राजपूत, हरगोविंद चढ़ार सरपंच निबोरा लल्ल जू अहिरवार पूर्व सरपंच , मंडलम अध्यक्ष सुरेंद्र राजपूत, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह परिहार केपी सिंह चंदेल ,पुष्पेंद्र सिंह खरगूपुरा मंडल अध्यक्ष उमाशंकर राजपूत, बबलू पटेल आकाश साहू, तरुण साहू, महेंद्र कनेरा, कल्याण सिंह चंदेल, राजबहादुर सिंह ,रिंकू परिहार ,गौरव यादव, रविंद्र अहिरवार, नरेंद्र कुशवाहा, अजीत यादव ,विजय सिंह, देवेंद्र अहिरवार ,योगेंद्र यादव ,मयंक परिहार, आत्माराम घोष, भुल्ली अहिरवार के साथ सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी एवं कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

बड़वानी जिले में खतरे के निशान के करीब पहुंचा नर्मदा का जलस्तर

बड़वानी। कछार क्षेत्र में हुए वर्षा और ऊपरी बांधों की टरबाइन से पानी छोड़ने से शहर के समीप नर्मदा नदी का जलस्तर सोमवार शाम खतरे के निशान के समीप पहुंच गया। जलस्तर बढ़ने से नए घाट पर बनी छत्रियां डूबने लगी हैं। वहीं पुराने घाट का घुमावदार एरिया डूब गया हैं। खतरे के निशान के करीब नर्मदा के पहुंचने पर एनवीडीए भी सक्रिय हो गया हैं। जिले के डूब क्षेत्र बड़दा में सोमवार को इंदौर अपर संचालक ने दौरा कर डूब प्रभावितों से चर्चा की।

विद्यार्थियों ने 28 किमी का पैदल मार्च निकाला, मनुहार के लिए दौड़े जनप्रतिनिधि व अधिकारी

फतवा समाचार ◈ बड़वानी

निवाली से जिला मुख्यालय बड़वानी तक पैदल चलने का संकल्प लिए विद्यार्थियों की मनुहार के लिए जिले के आला अधिकारी दौड़े। करीब छह घंटे में पुरुषखेड़ा से पलसूद तक 28 किमी का सफर तय करने वाले विद्यार्थियों से मिलने कलेक्टर डा. राहुल फटिंग मौके पर पहुंचे और पलसूद में बैठाकर विद्यार्थियों से चर्चा की। कलेक्टर ने जांच व कार्रवाई का आश्वासन देकर विद्यार्थियों को मनाया और उन्हें पुलिस वाहनों से रवाना किया गया। ग्राम पुरुषखेड़ा में स्थित एकलव्य स्कूल व छात्रावास में छठवीं से 12वीं तक के 405 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है। नौवीं से 12वीं के करीब 60 छात्र-छात्राएं अव्यवस्था से परेशान हैं। इसे लेकर बुधवार सुबह करीब 10 बजे से वे छात्रावास से प्राचार्य व छात्रावास के विरोध में नारे लगाते हुए पैदल ही जिला मुख्यालय की ओर निकल पड़े। विद्यार्थियों के इस अनूठे पैदल मार्च की सूचना जैसे ही इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुई। जिले के जनप्रतिनिधि व अधिकारी दौड़े। सूचना पर जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल, एसडीएम रमेश सिसौदिया, नायब तहसीलदार राजाराम रानाड़े, थाना प्रभारी तारा मंडलोई, बीईओ पीसी शर्मा विद्यार्थियों के पास पहुंचे और उनसे मनुहार की लेकिन विद्यार्थी नहीं रुके। उधर, इस पैदल मार्च के पीछे-पीछे अपनी निजी कार से प्राचार्य मीनाक्षी भार्गव एवं अधीक्षिका सीमा खुटे भी चलते रहे।

इनका कहना है

अपनी समस्याओं को लेकर पैदल मार्च कर रहे विद्यार्थियों से चर्चा की। उन्होंने जो समस्याएं बताई हैं, उनको लेकर एसडीएम को निर्देश देकर एक टीम गठित की है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-डा राहुल फटिंग, कलेक्टर, बड़वानी

लगातार दूसरे दिन भी 4-4 जेसीबी लगाकर वन क्षेत्र से हटाया गया अतिक्रमण

राम सिंह यादव ◈ टीकमगढ़

विदित हो कि विगत दिनों से वन मंडल टीकमगढ़ अंतर्गत वन परिक्षेत्र टीकमगढ़ के अंतर्गत वर्षों से व्याप्त अतिक्रमण एवं अतिक्रमण के लिए संवेदनशील वन क्षेत्रों का चयन करते हुए मुख्य वन संरक्षक छतरपुर,एवं वन मंडल अधिकारी टीकमगढ़ के मार्गदर्शन,एवं दिशा-निर्देशन में वनपरिक्षेत्र अधिकारी टीकमगढ़ शिशुपाल अहिरवार के नेतृत्व में वन परिक्षेत्र टीकमगढ़ का संपूर्ण वन अमला रात-दिन वन क्षेत्र की चौकसी,और निगरानी करते हुए वन क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त कराने में लगा हुआ है ।

विगत दिवस जेसीबी लगाकर वन क्षेत्र में बड़े-बड़े गड्ढे और गहरी खाई खोदी जाकर अतिक्रमणकारियों को बखराई, और बोनी से रोका जा रहा है एवं अतिक्रमणकारियों के द्वारा बनाई गई अस्थाई झोपड़ियां , एवं बागड़ को हटाया जा रहा है । जिसके तारतम में आज दिनांक 12 जुलाई 2023 को वन परिक्षेत्र टीकमगढ़ की भड़रा ,एवं मजना वीटों के साथ-साथ मोहनगढ़ ,और देगोड़ा के अंतर्गत आने वाले वन क्षेत्रों की बीटो बंनगाय, कोड़ीया, एवं बछोड़ा बीटों के अंतर्गत 4-5 जेसीबी लगाकर अतिक्रमणकारियों के द्वारा किए गए अतिक्रमण क्षेत्र में बड़े-बड़े गड्ढे गहरी खाईया,और नालियों खोदी जाकर अतिक्रमणकारियों को बोनी, एवं बखराई से रोका जाकर लगभग 100 हेक्टर से ऊपर का बनक्षेत्र अतिक्रमणकारियों के कब्जे से छुड़ाकर अतिक्रमण मुक्त किया गया । बाइट शिशुपाल अहिरवार वन परीक्षेत्र अधिकारी टीकमगढ़ । उक्त कार्रवाई करते हुए वन परिक्षेत्र अधिकारी शिशुपाल के द्वारा बताया गया कि अतिक्रमण बेदखली की कार्यवाही लगातार इसी प्रकार चलती रहेगी ,जब तक कि संपूर्ण अतिक्रमण बाले वनक्षेत्र को मुक्त नहीं करा दिया जाता ।

कलाकार ने बनाई भगवान शिव की अनोखी प्रतिमा

नारियल के खाली खोक और जूट रस्सी से दिया आकार, दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालु

फतवा समाचार ◈ सिवनी

सावन के महीने में लोग भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए तरह तरह से पूजन-अर्चन करते हैं। ताकि उनकी कृपा के पात्र बन सके। वहीं सिवनी के सिद्ध पीठ मठ मंदिर परिसर में विक्की कश्यप ने उनके साथियों की मदद से नारियल के खाली खोक-जूट, रस्सी का उपयोग कर भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा बनाई है। इनके दर्शन करने जिलेभर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बताया जाता है कि इस प्रतिमा को बनाने के लिए कलाकारों को 35 दिन का समय लगा। बीते वर्ष भी कलाकारों द्वारा इसी तरह की प्रतिमा बनाई गई थी। भगवान शंकर के दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालु उनके साथ मोबाइल में सेल्फी भी ले रहे है। वहीं मठ मंदिर में भगवान भोलेनाथ की पूजा करने पहुंच रहे लोगों ने परिसर में जुट और राशियों से बनी प्रतिमा का भी पूजन पाठ किया। सावन माह में इस तरह की अद्भुत प्रतिमा को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आ रहे हैं। जहां या प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बन रही है।

युवाओं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में किया प्रदर्शन : पटवारी परीक्षा में घोटाले के लगाए आरोप, सीएम और गृह मंत्री के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

फतवा समाचार ◈ टीकमगढ़

पटवारी परीक्षा में हुए घोटालों के विरोध में गुरुवार को दर्जनों युवाओं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रदर्शन किया। रैली निकालकर मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर धरना दिया। इस दौरान युवाओं ने पटवारी परीक्षा में हुए घोटाले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। धरने पर बैठे युवाओं ने कहा कि मध्य प्रदेश में ग्रुप 2 सब ग्रुप 4 पटवारी परीक्षा परिणाम में घोटाला हुआ है। परीक्षा परिणाम में टॉप 10 में से 7 छात्रों का परीक्षा केंद्र ठफ्क्र कॉलेज ग्वालियर है। 9000 अभ्यर्थियों में से अधिकतर चयनित अभ्यर्थियों का परीक्षा केंद्र एनआरआई कालेज था। जिसमें ज्यादातर टॉपर्स के हस्ताक्षर हिंदी में हैं। एक ही परीक्षा केंद्र से इतने टॉपर का आना घोटाला होने की ओर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। संयुक्त परीक्षा केंद्र के इतने कठिन पेपर में अन्य परीक्षा केंद्रों के अभ्यार्थी जहां 140 नंबर नहीं ला पाए, वहीं ग्वालियर के इस केंद्र के अभ्यर्थियों ने 188 अंक तक हासिल किए।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

ज्ञापन के माध्यम से युवाओं ने मांग करते हुए कहा कि पटवारी परीक्षा की न्यायिक एवं निष्पक्ष जांच की जाए। साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन कर रहे युवा मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने की मांग पर अड़े रहे।

पहले भी सामने आई इस तरह की गड़बड़ी

युवाओं ने कहा कि मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल में इससे पहले भी कई प्रकार की गड़बड़ियां सामने आई है। कृषि विस्तार, शिक्षक भर्ती, कॉन्स्टेबल भर्ती एवं हाल ही में हुई पटवारी भर्ती परीक्षा में भ्रष्टाचार हुआ है। कभी सर्वर डाउन होना, गलत प्रश्न, गलत रिजल्ट जारी करना जैसी त्रुटियां कर्मचारी चयन मंडल करता आ रहा है। सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। ऐसी स्थिति में मध्य प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं के साथ मध्य प्रदेश चयन आयोग खिलवाड़ कर रहा है।

दुकानों पर नियम विरुद्ध चल रहे घरेलू गैस सिलेंडर, उपयोग होकर घरों में पहुंच जाते हैं

फतवा समाचार ◈ टीकमगढ़

अगर आप के घर घरेलू गैस सिलेंडर आया है तो उसे एक बार जरुर चैक कर लें कि सिलेंडर की कहीं पिन लीक तो नहीं हो रही है। अगर ऐसा है तो तत्काल उसे वापस कर दें। नहीं तो गैस रिसने से बड़े हादसे का शिकार हो सकते हैं। क्योंकि यह घरेलू गैस सिलेंडर दुकानों पर भी उपयोग किए जा रहे हैं। सिलेंडर से बार-बार रेगुलेटर निकालने व लगाने के साथ-साथ रिफलिंग से पिन लीक होने लगती है। दरअसल हाल ही में सिलेंडर से गैस रिसने से एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए थे। इस दर्दनाक घटना में दो बच्चों की मौत भी हो गई है। इसके बावजूद भी शहर की दुकानों में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। इतनी बढ़ी घटना होने के बाद प्रशासन अब भी मौन है। घटना के बाद भी प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर में दुकानों पर चल रहे घरेलू गैस सिलेंडरों को जब्त नहीं किया जा रहा है। दुकानदार खुलेआम घरेलू गैस सिलेंडर उपयोग कर रहे हैं। सबसे पहले कलेक्ट्रेट के सामने संचालित दुकानों, होटल पर देखें तो यहां पर ही घरेलू गैस सिलेंडर चल रहे हैं। चकरा के पास संचालित नाश्ता, दूध, मिठाई की दुकानें पर सामने ही घरेलू गैस सिलेंडर रखे हुए है।

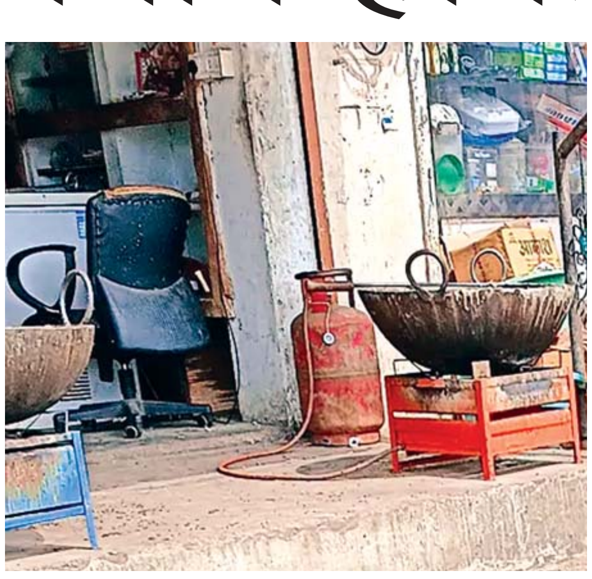

> घरेलू गैस सिलेंडर उपयोग करने वालों पर वरिष्ठ अधिकारियों से कार्रवाई करने का आदेश मिला है। इसके लिए टीम भी गठित हुई है। जहां पर भी घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा है, वहां जांच करके तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्हें नियम के तहत उपयोग कराएंगे।
>
> **ललित मेहरा,**
> **कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी टीकमगढ़**

इसके बाद अस्पताल चौराहे पर खुली मिठाई की दुकानें और होटल पर खुले तौर पर घरेलू गैस सिलेंडर चल रहे हैं। इसके अलावा शहर के स्टेट के पास, नए बस स्टैंड, पुराना बस स्टैंड, मऊचुंगी सहित आसपास क्षेत्र में भी उपयोग किए जा रहे हैं। इन घटनाओं से प्रशासन नहीं ले रहा सबक त्र शहर के बदान मोहल्ले में घर में सिलेंडर लीकेज होने से आग लग गई थी। घटना में परिवार के चार सदस्य झुलस गए थे। जिनमें दो बच्चों की मौत हो गई। घटना के समय घर में घरेलू गैस सिलेंडर रखे थे। त्र जेल रोड पर फुटपाथ पर रह रहे लोगड़िया परिवार के पास छोटे सिलेंडर में आग लगने से सड़क पर रख दिया था। जिससे पूरे सिलेंडर में आग पकड़ गई थी, हालांकि लोगों ने बोरे डालकर आग को बुझा दिया था। त्र एक माह पहले नए बस स्टैंड पर मैकेनिक की दुकान पर रिपेयरिंग के लिए खड़ी कार में आग लग गई थी। पूरी कार में आग लगने पर जोरदार ब्लास्ट भी हुआ था। आग बुझने के बाद कार के अंदर सिलेंडर मिला था। कार्रवाई करने का आदेश मिला है, टीम भी गठित है जिले भर में लगभग 24 गैस एजेंसी संचालित है। जिनमें से टीकमगढ़ में गिर्राज गैस एजेंसी, अमन गैस एजेंसी, निर्मल गैस एजेंसी और इंडेन गैस एजेंसी का संचालन किया जा रहा है। जिनके द्वारा सबसे ज्यादा गैस सिलेंडर वितरण किया जाता है। दुकानदारों को आसानी से घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध हो जाते हैं। जिससे दुकानदार धड़ल्ले से घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग करते रहते हैं।

दुकानदार कमर्शियल की जगह घरेलू गैस सिलेंडर क्यों करते हैं उपयोग जानकारों के अनुसार कमर्शियल गैस सिलेंडर की जगह घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग बचत के लिए करते हैं। कमर्शियल गैस सिलेंडर 2100 रुपए का पड़ता है। इसमें 19 किलो गैस रहती है। जो प्रति किलो 110 रुपए लगभग की पड़ती है। इसी तरह घरेलू गैस सिलेंडर 1183 रुपए का पड़ता है। जिसमें 14.2 किलो गैस रहती है। यह प्रति किलो 84 रुपए की पड़ती है। जिससे दुकानदारों को घरेलू गैस सिलेंडर उपयोग करने में फायदा हो जाता है।

यूनिक नंबर 1950 के साथ वोटर हेल्पलाइन सेवा प्रारंभ

फतवा समाचार ◈ जबलपुर

जिले में यूनिक नम्बर 1950 के साथ वोटर हेल्पलाइन नंबर सेवा प्रारंभ कर दी गई है। जिले का कोई भी नागरिक इस नंबर पर काल करके कार्यालयीन समय के दौरान मतदाता सूची एवं वोटर आइडी कार्ड से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकता है। नागरिक अपना नाम पता बताकर जान सकेगा कि उसका नाम मतदाता सूची में है या नहीं। को एनआइसी और ई-गवर्नेंस के सहयोग से कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 37 स्थित जिला संपर्क केन्द्र में स्थापित किया गया है। दो लाइनों के इस टोल-फ्री नंबर पर आने वाली काल अटेंड करने प्रशिक्षित कर्मियों को तैनात किया गया है, जो नागरिकों को मतदाता सूची में संबंधित जानकारी उपलब्ध कराएंगे। नागरिकों को इसके लिए आपरेटर द्वारा पूछे जाने पर कुछ जानकारियां देनी होगी। नागरिक इस नंबर पर संपर्क कर अपने क्षेत्र के बीएलओ का नाम, नंबर एवं मतदान केन्द्र की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही निर्वाचन संबंधी सूचना, प्रतिक्रिया, सुझाव एवं शिकायत भी दे सकते हैं।

टोल-फ्री नंबर 1950 के पहले जिले का एसटीडी कोड लगाना होगा

एनआइसी प्रभारी आशीष शुक्ला ने बताया के निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार वोटर हेल्पलाइन नंबर प्रदेश के सभी जिलों में एक जैसा रखा गया है। जिस जिले की सीमा में रहकर व्यक्ति हेल्पलाइन नंबर 1950 में काल करेगा उसकी काल उसी जिले के जिला संपर्क केन्द्र पर अटैंड की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति एक जिले में रहकर दूसरे जिले की निर्वाचन संबंधी जानकारी प्राप्त करना चाहता है तो उसे टोल-फ्री नंबर 1950 के पहले उस जिले का एसटीडी कोड लगाना होगा। ई-गवर्नेंस के जिला प्रबंधक चित्रांशु त्रिपाठी ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने के बाद वोटर हेल्पलाइन टोल-फ्री नंबर पर आने वाली प्रत्येक काल को रिकार्ड किया जाएगा।

निर्वाचन तंत्र से जुड़े अधिकारियों के नाम नंबर भी जाने जा सकेंगे

जिला संपर्क केन्द्र के नोडल अधिकारी गिरीश बिल्लौरे ने बताया कि वोटर हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करने पर निर्वाचन कार्यक्रम और निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहित निर्वाचन तंत्र से जुड़े अधिकारियों के नाम नंबर भी जाने जा सकेंगे। यदि किसी व्यक्ति ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने निर्धारित प्रारूप में आवेदन किया है, तो मतदाता सूची में उसका नाम आया है या नहीं इसकी जानकारी भी दी जाएगी।

यात्री गण ध्यान दें, अमरकंटक एक्सप्रेस गुरुवार और शुक्रवार को रहेगी रद

फतवा समाचार ◈ जबलपुर

भोपाल से जबलपुर होकर दुर्ग जाने वाली अमरकंटक एक्सप्रेस को रेलवे ने रद कर दिया है। यह ट्रेन गुरुवार को दुर्ग से नहीं चलेगी। रेल यात्रियों के लिए हुई असुविधा के लिए विभाग ने खेद जताया है। जबलपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन ने इस संबंध में बताया कि दुर्ग से चलकर कटनी, जबलपुर मार्ग से होते हुए भोपाल की ओर जाने वाली अमरकंटक एक्सप्रेस ट्रेन, जिसका नंबर 12853 है, गुरुवार को दुर्ग से रद की गई है। 14 जुलाई को भोपाल से चलकर इटारसी होकर जबलपुर से दुर्ग को जाने वाली अमरकंटक एक्सप्रेस न .12854 भी रद की गई है। 14 जुलाई को यह दोनों ट्रेन जबलपुर नहीं आएंगी। इसकी वजह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में चल रहे रेलवे ट्रैक के मेंटेनेंस का काम है।

पेसा एक्ट एवं वनाधिकार अधिनियम के संबंध में चाड़ा में किया गया जनसंवाद

बैगाचक क्षेत्र तथा वनग्रामों की स्थिति के बारे में लोगों ने अपनी बाते रखीं

करंजिया में ग्राम गोपालपुर में जनसंवाद

वन अधिकार मान्यता अधिनियम २००६ एवं पेसा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के हेतु गठित टॉस्क फोर्स के सदस्य श्री शरद चंद लेले ने जनपद पंचायत करंजिया के ग्राम गोपालपुर में जनसंवाद किया। श्री शरद चंद्र लेले ने जनसंवाद में वनाधिकार अधिनियम के बारे में बताते हुए वनभूमि पर खेती/बस्ती चालू रखने के व्यक्तिगत अधिकार के संबंध में जानकारी दी। पेसा मोबलाईजर्स को उपयुक्त प्रशिक्षण प्रदान कर लोगों को जागरूक करने और ग्रामसभा को सशक्त करने की आवश्यकता बताई गई है। पेसा के अनुसार ग्रामसभा का संचालन करते हुए सीएफआर की प्रक्रिया को गति प्रदान करें। कम से कम दो गांवों के अनुभवों के आधार पर बैगाचक के अन्य वनग्रामों के लिए कार्य योजना तैयार की जाए। आईएफआर नपाई कार्य हेतु ग्रामसभा को आवश्यक राशि उपलब्ध कराना होगा। सीएम इंर्टन और पेसा मोबलाईजर्स का दावों की प्रक्रिया में सहयोग जरूरी है। शरद चंद ने कहा कि जिले के सभी 86 वनग्रामों को सीएफआर मान्यता मिलनी चाहिए, जिससे गांवों में प्रबंधन का काम शुरु हो जाए।

दुर्गेश बर्मन ◈ डिंडोर

डिंडौरी,वन अधिकार मान्यता अधिनियम 2006 एवं पेसा नियम 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन के हेतु गठित टॉस्क फोर्स के सदस्य डॉ. रूपनारायण मांडवे जी और डॉ. श्याम सिंह कुमरे के द्वारा ग्राम चांडा में जनसंवाद किया। जिसमें आसपास के ग्रामसभा अध्यक्ष और वन अधिकार समिति के सदस्य, जन सेवा मित्र और पेसा मोबिलाइजर भी उपस्थित थे। टॉस्क फोर्स के सदस्यों ने ग्राम सभा अध्यक्ष, वनाधिकार समिति के सदस्यों ने आमजनों से जानकारी लेकर पेसा और वनाधिकार कानून के वर्तमान स्थिति को समझने का प्रयास किया गया। बैगाचक क्षेत्र तथा वनग्रामों की स्थिति के बारे में लोगों ने अपनी बाते रखीं। उक्त कार्यक्रम के पश्चात संयुक्त तहसील कार्यालय बजाग में विकासखंड स्तरीय बजाग और समनापुर के विभागीय अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक टॉस्क फोर्स के सदस्यों के उपस्थिति में रखी गयी। बैठक में पेशा कानून के संदर्भ में विभिन्न विभागों की भूमिकाओ पर विस्तृत चर्चा की गयीस पेशा कानून के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण पर चर्चा की गई। डिंडौरी जिले को पेसा और वन अधिकार कानून के लिए मॉडल के रूप में बनाने के सोच से काम करने का आव्हान टॉस्क फोर्स द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम बजाग बैद्यनाथ वासनिक, सीईओ जनपद पंचायत बजाग जोशुआ पीटर, सहित समस्त अधिकारी-कर्मचारी और अशोका ट्रस्ट के प्रतिनिधि मौजूद थे। जनसंवाद में बताया गया कि पेसा के नियम लागू होने से जनजातीय वर्ग के जल, जंगल, जमीन से जुड़े अधिकारो के साथ ही महिला सशक्तिकरण के अधिकार दिलवाने के लिए सभी सक्रिय होगे। खनिज पट्टे पर जनजातीय लोगो का पहला हक बनता है। पेसा एक्ट की मूल भावना जनजातीय वर्ग का कल्याण है। पुलिस थाना स्तर पर छोटे-मोटे विवादो को बातचीत से सुलझाया जा सकता है। यदि कर्इ अपराध थाने में पंजीबद्ध हच्ता है तच उसकी सूचना ग्राम सभा कच देना हच्गी। साथ ही क्षेत्र में लगने वाले बाजार, मेला और पशु मेलों की

सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास कछारी में बाउंड्री वॉल भ्रष्टाचार के पोल खोल दी

संजू सिंह आर्मो ◈ डिंडोरी

जिला डिंडोरी थाना शाहपुरा अंतर्गत ग्राम कछारी के सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास के बाउंड्री वॉल पहले वर्षा में ही भ्रष्टाचार की पोल खोल दी जानकारी के अनुसार यह बाउंड्री के निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा करवाए गए थे पहली वर्षा में ही भ्रष्टाचार के पोल खुल गई लगभग 30 मीटर बाउंड्री वॉल टूटकर धारा सही हो गए ठेकेदार के द्वारा मनमाने ढंग से गुणवत्ता हीन कार करवाई जाती हैं जिससे भ्रष्टाचार के पोल बहुत जल्द ही लिखने लगता है इन पर शासन प्रशासन के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जाती है जिसके चलते भ्रष्टाचार तीव्र गति से देखने को मिलते हैं।

सबंल योजना के तहत 35 हितग्राहियो को मिले 70 लाख रुपए

मुख्यमंत्री का लाईव संबोधन सुनाया गया

फतवा समाचार ◈ डिंडोरी

शहपुरा जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतो के 35 हितग्राहियो को संबल योजना के तहत 70 लाख रूप्ये का लाभ प्रदान किया गया कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक भवन शहपुरा में किया गया जहां पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संबोधन को लाईव सुनाया गया कार्यक्रम के दौरान सीएम चौहान ने बताया कि हमने जो संबल योजना प्रांरभ की है उससे लोगो को थोडा संबल मिला है इस राशि से घर चलाने में असानी हो रही है इस राशि के कारण लोगो संबल मिला है।

कार्यक्रम के दौरान,वरिष्ठ नेता विष्णू अवधिया, जिला मंहामंत्री ज्ञानदीप त्रिपाठी , मंडल महामंत्री सोनलाल परस्ते ,जनपद अध्यक्ष प्रियंका आर्मो ,जनपद उपाध्यक्ष जितेन्द्र चंदेल ,मुख्यकार्यपालन अधिकारी गणेश पांडे ,राजकुमार मरावी ,संरपंच ,सचिव, व हितग्राही मौजूद रहे।

हितग्राहियों से सतत संपर्क और संवाद कर शेष अपूर्ण आवासों को कराएं पूर्ण : श्री गेमावत

फतवा समाचार ◈ कटनी

पीएम आवास के तहत चार जनपद पंचायतों की अधिकतम अपूर्ण आवास वाली दस-दस ग्राम पंचायतों की हुई समीक्षा

ग्राम पंचायतों के सचिव,रोजगार सहायक और सेक्टर सुपरवाइजर हितग्राहियों से सतत संपर्क और संवाद करते हुए, शेष अपूर्ण आवासों को आगामी एक माह में पूर्ण कराएं। इसके लिए निरंतर फील्ड विजिट करें। राशि का दुरुपयोग कर चुके एवं आवास पूर्ण कराने में रुचि नहीं ले रहे हितग्राहियों को विधि सम्मत तरीके से नोटिस जारी कर राशि वसूली की प्रक्रिया की कार्यवाही करें। हितग्राही स्वयं भी अपने आशियाने को बनाने में श्रम और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए अपूर्ण आवासों को पूर्ण कराएं। यह निर्देश जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत ने बुधवार को रीठी, विजयराघवगढ़ ,बहोरीबंद और ढीमरखेड़ा के प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत अपूर्ण आवासों की समीक्षा के दौरान सेक्टर सुपरवाइजर, सचिव और रोजगार सहायकों को दिए। उल्लेखनीय है कि जिला पंचायत सीईओ ने चार जनपद पंचायतों में सर्वाधिक अपूर्ण आवास वाली 10-10 ग्राम पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायक और सेक्टर सुपरवाइजर को बैठक में वांछित जानकारियों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। सीईओ ने जनपद पंचायत वार ग्राम पंचायतों की समीक्षा की एवं अपूर्ण आवास रहने के संबंध में कारणों की जानकारी ली। श्री गेमावत ने सख्त लहजे में कहा कि अपूर्ण आवासों की निगरानी करते हुए हितग्राहियों की समस्याओं का निराकरण कराते हुए आगामी समीक्षा बैठक के पूर्व पूर्ण कराएं। एक माह में वांछित प्रगति परिलक्षित नहीं होने पर सर्व संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। समीक्षा बैठक में पीएम आवास प्रभारी अभिषेक भार्गव, बीसी पीएम आवास, सेक्टर सुपरवाइजर उपयंत्री, पीसीओ, एडीईओ, संबंधित ग्राम पंचायत के सचिव और रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

लव जिहाद में और छह पर एफआइआर, तीन गिरफ्तार

मंडला। हाल ही में चर्चा में आए सतना जिले की युवती को मंडला के युवक द्वारा लव जिहाद का शिकार बनाने के मामले में जबरदस्त मोड़ आया है। मंडला पुलिस ने इस संबंध में 6 और अतिरिक्त एफआइआर दर्ज की है। तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है और तीन फरार हैं। यह मामला है लव जिहाद के मामले में आरोपित दानिश अहमद की गिरफ्तारी से पहले उसके साथ ब्लैक मेलिंग करने और उसे सुनियोजित तरीके से सेक्स स्कैंडल में फंसाने तथा डराने धमकाने का प्रयास करने का। पुलिस के समक्ष इस अपराध के संबंध में आडियो तथा वीडियो प्रस्तुत करने के बाद मंडला कोतवाली पुलिस ने अशफाक खान, असगर कुरेशी, शहजाद उर्फ राजा अली, रौनक खान उर्फ साजरून, दीप्ति कौर और रोहित उर्फ जैकी चंद्रौल पर धारा 384, 386, 388, 120 बी, 506 के अंतर्गत एफआइआर दर्ज की है। कोतवाली थाना प्रभारी जसवंत राजपूत ने बताया कि अशफाक खान, शहजाद अली और दीप्ति कौर को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष 3 आरोपित फरार हैं। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपितों को पहले जिला अस्पताल ले जाकर चिकित्सकीय स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा और फिर उन्हें न्यायालय में पेश किया जाएगा।

यह था मामला : सतना जिले की एक युवती ने मंडला जिले के युवक दानिश अहमद पर शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण किए जाने का मामला मंडला के महिला थाना में दर्ज कराया। युवती ने यह आरोप भी लगाया है कि युवक ने आधार कार्ड में उसका नाम बदलवा कर धार्मिक पहचान बदलवा दिया।

अनुपूरक बजट में बरही मझगवां सड़क के लिए मिले 22 करोड़

विधायक संजय पाठक के प्रयास से बरही कटनी सड़क का होगा पुनर्निर्माण

फतवा समाचार ◈ कटनी

संजय पाठक ने नेतृत्व के प्रति जताया आभार

जिले में बरही रोड के नाम से पहचाने जाने वाली महत्वपूर्ण सड़क के बरही से मझगवां के बीच 40 किलोमीटर के हिस्से के पुनर्निर्माण के लिए आज मप्र विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान 2023-24 वित्तीय वर्ष का अनुपूरक बजट वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने सदन में पेश किया जिसमें कटनी जिले मुख्यालय को विजयराघवगढ़ के बरही नगर एवं आगे उमरिया को जोड़ने वाली सड़क के मझगवां से बरही के बीच पुनर्निर्माण के लिए 22 करोड़ का बजट आवंटन हुआ है ।लगातार भारी ट्रैफिक के दवाब की वजह से प्रमुख मार्ग के रूप में मान्यता प्राप्त वाली इस सड़क भारी वाहनों भी दवाब की वजह से पिछले एक वर्ष में जगह जगह पर उखड़ गई थी जनवरी माह में जिसके सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए विधायक संजय पाठक ने भोपाल स्तर पर प्रयास करके फंड स्वीकृत कराया था जिसका कार्य बरही एवं बसाड़ी के बीच मई जून माह में चल रहा था अब आज दोपहर में अनुपूरक बजट में इस सड़क के लिए 22 करोड़ का बजट स्वीकृत होने पर क्षेत्रवासियों ने खुशी व्यक्त करते हुए विधायक संजय पाठक का आभार जताया है ।जब इस सम्बंध में विजयराघवगढ़ विधायक से संपर्क किया गया तो संजय पाठक ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस महत्वपूर्ण सड़क के लिए अनुपूरक बजट में राशि प्रदान करने के लिए मैं संपूर्ण क्षेत्रवासियों की तरफ से प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान,सांसद श्री वीडी शर्मा,वित्तमंत्री श्री जगदीश देवड़ा का आभार प्रकट करता हूं। मार्च माह में भी पेश हुए बजट में विजयराघवगढ़ को 140 करोड़ के विजयराघवगढ़ ,कैमोर एवं बरही के बायपास मिले थे जिनके टेंडर प्रक्रिया में है, 48 करोड़ 26 किलोमीटर बगैहा मोड़ से खितौली सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है ।

विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेबल अधिकारियों एवं बीएलओ सुपरवाईजर को दो पालियों में प्रशिक्षण प्रदान करनें हेतु मास्टर ट्रेनर नियुक्त

कटनी । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निदेर्शानुसार फोटो निर्वाचक नामावली के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 के कार्यक्रम अनुसार 01 अक्टूबर 2023 की आर्हता तिथि के अनुसार मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु कार्यक्रम घोषित किया गया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी रोमानुस टोप्पो घोषित कार्यक्रम के अनुपालन में जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेबल अधिकारियों एवं बीएलओ सुपरवाईजर को दो पालियों प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक एवं दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक प्रशिक्षण दिये जाने हेतु मास्टर ट्रेनर की नियुक्ति आदेश जारी किये है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी आदेशानुसार विधानसभा बड़वारा के जनपद पंचायत सभाकक्ष में 18 जुलाई को ट्रेनिंग प्रदाय करने हेतु श्री मनोज कुमार गुप्ता विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक बड़वारा एवं श्री पी.एन. प्रसाद प्रधान अध्यापक शाकीय माध्यमिक शाला मझगवां को तथा ढीमरखेड़ा हेतु श्री विनोद दीक्षित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं श्री मुकेश पटेल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरियापान को मास्टर ट्रेनर नियुक्त किया गया है। विधानसभा विजयराघवगढ़ के तहसील कार्यालय सभाकक्ष विजयराघवगढ़ में 14 जुलाई को प्रशिक्षण प्रदाय करने हेतु श्री आनन कुमार कोरी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी तथा श्री चंद्रिका प्रसाद चंदेल उच्चतर माध्यमिक शिक्षक भैंसवाही एवं बरही के तहसील कार्यालय सभाकक्ष में प्रशिक्षण प्रदाय किये जाने हेतु श्री लाल जी उरमलिया प्रभारी प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलैया सिहोरा तथा श्री रामचरित द्विवेदी प्राभारी प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरही को मास्टर ट्रेनर नियुक्त किया गया है। विधानसभ मुड़वारा हेतु बस स्टेण्ड के पास स्थित ऑडिटोरियम परिसर में 15 जुलाई को दो पालियों में प्रशिक्षण प्रदाय किये जाने हेतु श्री मनोज गौतम विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक कटनी एवं श्रीमती शुक्ला राय उच्चतर माध्यमिक शिक्षक एन.के.जे, श्री आर.बी. अग्निहोत्री उच्चतर माध्यमिक शिक्षक एन.के.जे तथा श्री दिलीप प्यासी प्रधान माध्यमिक शाला कछगवां को मास्टर ट्रेनर नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना अंतर्गत श्रमिकों को राशि का अंतरण किया, पंचायत प्रतिनिधियों से किया संवाद

फतवा समाचार ◈ रीवा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत प्रदेश के 26150 श्रमिकों को 583 करोड़ों रुपए की राशि का अंतरण किया। इस योजना से रीवा जिले के 750 हितग्राहियों को भी लाभ मिला। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भोपाल से वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि प्रजातंत्र में जनप्रतिनिधि सर्वोच्च हैं। हमारे देश में पंचायती राज की जड़े मजबूत हैं और जनता की सेवा करने वाली सबसे प्रभावी इकाई सरपंच/पंच व पंचायत प्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि, अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर पंचायतों में उपलब्ध धनराशि का विकास व जनकल्याण के कार्यों में रणनीति बनाते हुए खर्च करें और बेहतर से बेहतर काम कर अच्छा परिणाम दें। स्थानीय एनआईसी में वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल सहित पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा सीईओ जिला पंचायत डॉ सौरव सोनवणे व जिला पंचायत के अधिकारी उपस्थित रहे।

जन सुनवाई में कलेक्टर ने 194 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

फतवा समाचार ◈ रीवा

कलेक्ट्रेट सभागार में आमजनता के आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए साप्तहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जन सुनवाई में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आमजनता से प्राप्त 194 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सात दिवस में प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जन सुनवाई मुख्यमंत्री जी की उच्च प्राथमिकता का कार्यक्रम है सभी अधिकारी जन सुनवाई में प्राप्त आवेदन पत्रों में तय समय सीमा में समुचित कार्यवाही करें। इसका प्रतिवेदन कलेक्ट्रेट में प्रस्तुत करने के साथ आवेदक को भी की गई कार्यवाही से अवगत कराएं। जन सुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे तथा अपर कलेक्टर नीलमणि अग्निहोत्री ने भी आवेदन पत्रों में सुनवाई की। जन सुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जन सुनवाई में सुभौआ कोरी निवासी ग्राम डेल्ही ने उनकी जमीन पर किए गए जबरन कब्जे को हटाने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम मऊगंज को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। शैलेन्द्र द्विवेदी निवासी ग्राम जोन्हा ने उनकी जमीन में अतिक्रमण की शिकायत की। कलेक्टर ने तहसीलदार जवा को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दिए। रघुनाथ कहार निवासी मनगवां ने जमीन के सीमांकन के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम मनगवां को आवेदन पत्र के निराकरण के निर्देश दिए। विमला मिश्रा निवासी ग्राम धौरहरा ने जमीन के खसरे के सुधार के संबंध में आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम मनगवां को तत्काल खसरे में सुधार कराने के निर्देश दिए।

जन सुनवाई में शासकीय कन्या महाविद्यालय के अंशकालीन मजदूरों ने सामूहिक रूप से मजदूरी के नियमित तथा समय पर भुगतान के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। महेश हरिजन निवासी ग्राम सगरा ने प्रधानमंत्री आवास योजना से स्वीकृत आवास के निर्माण में बाधा डालने के संबंध में आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम मऊगंज को आवेदन में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। धीरेन्द्र सिंह निवासी मध्येपुर ने मनरेगा योजना से ग्राम पंचायत में कराए गए निर्माण कार्यों की जाँच के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने परियोजना अधिकारी जिला पंचायत को मौके पर जाकर आवेदन पत्र में कार्यवाही के निर्देश दिए। प्राचार्य शासकीय उमावि खजुहा ने स्कूल में पेयजल की व्यवस्था के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री पीएचई को स्कूल में सात दिवस में पेयजल की उपलब्धता के निर्देश दिए। जन सुनवाई में अनिल यादव निवासी महसावं ने खसरा सुधार के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम मनगवां को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। सुरेश नामदेव निवासी ग्राम नरैनी ने आग दुर्घटना में राहत के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार नईगढ़ी को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने की 258 आवेदन पत्रो पर जन सुनवाई

कई समस्याओ का जन सुनवाई में उपस्थित अधिकारियो से कलेक्टर ने कराया निराकृत

फतवा समाचार ◈ सिंगरौली

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जन सुनवाई में कलेक्टर श्री अरूण परमार के द्वारा 258 आवेदन पत्रो पर जन सुनवाई की गई। विदित हो कि कलेक्टर सभागार में आयोजित जन सुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलो से आये 258 व्यक्तियो द्वारा अपनी समस्याओ से अवगत कराते हुये जन सुनवाई कर रहे कलेक्टर को अपना आवेदन दिया गया। जिस पर कलेक्टर द्वारा कई आवेदन पत्रो का जन सुनवाई में उपस्थित अधिकारियो के द्वारा त्वारित निराकरण कराया गया। तथा शेष आवेदन पत्रो को विभागीय अधिकारियो को आरे भेजते हुये निर्देश दिया गया कि निर्धारित समय सीमा में आवेदनो को निराकृत कर आवेदनकर्ता को अवगत कराये।

जन सुनवाई में उपस्थित विभागीय अधिकारियो को निर्देश देते हुये कलेक्टर ने कहा कि जन सुनवाई में आने वाले आवेदनो पत्रो का निराकरण पूरी गंभीरता से करे। शासन की योजनाओ बंचित आवेदनकर्ताओ को उनकी पात्रता अनुसार योजनाओ के लाभ से लभान्वित कराये। आज की जन सुनवाई मे सर्वाधिक आवेदन जिले में कार्यरत औद्योगिक कम्पनियो में रोजगार दिलाने, भूमियो का उचित प्रतिकर दिलाये जाने के साथ ही अधिक आई विद्युत बिलो में सुधार कराने, पात्रता पर्ची में नाम जोड़ने से संबंधित प्राप्त हुये जन सुनवाई के दौरान संयुक्त कलेक्टर अरविंद झा डिप्टी कलेक्टर माईकल तिर्की सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शहीद लाल पद्मधर सिंह की प्रतिमा की शिलापट्टिका में जन्मस्थान सतना अंकित कराने प्रदेशाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा

फतवा समाचार ◈ सतना

वीडी शर्मा से मिले जिला महामंत्री ऋषभ सिंह

प्रयागराज जिले में स्थापित इलाहाबाद विश्वविद्यालय में स्थापित है अमर शहीद की प्रतिमा

श्रीधर सिंह सतना भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान फिरंगियों का डट कर मुकाबला करते हुऐ सीने पर गोली खा कर शहीद हुए जिले के लाल पद्मधर सिंह की प्रयागराज में स्थापित प्रतिमा की शिलापट्टिका में जन्मस्थान जिला सतना का उल्लेख हो इस मांग को लेकर जिला महामंत्री ऋषभ सिंह ने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा के चार इमली स्थित आवास पर मिलकर ज्ञापन सौंपा।

ये है मांग : जिला महामंत्री ऋषभ सिंह ने बताया कि भारत छोड़ो आंदोलन के प्रणेता और सतना की धरा में जन्में सपूत वीर लाल पद्मधर सिंह ने प्रयागराज में भारत छोड़ो आंदोलन का प्रतिनिधित्व करते हुए फिरंगियों के दांत खट्टे कर दिए थे। तिरंगे की आन, बान और शान के लिए उन्होंने सीने पर गोली खा कर शहादत को स्वीकार किया लेकिन अंग्रेजी हुकूमत के सामने सिर नही झुकाया और न ही तिरंगे को झुकने दिया। श्री सिंह ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि अमर शहीद लाल पद्मधर सिंह की प्रतिमा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित है लेकिन उक्क्त प्रतिमा के साथ शिलापट्टिका में जन्मस्थान सतना (म.प्र.) का उल्लेख नही किया गया है जिससे लोगो को ये जानकारी नही मिल पाती की उनका जन्म मध्यप्रदेश के सतना जिले के कृपालपुर में हुआ था। इसी सिलसिले में ऋषभ सिंह ने प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा को ज्ञापन देकर मांग की है कि प्रतिमा के साथ शिलापट्टिका लगा कर उसमें जन्मस्थली कृपालपुर जिला सतना मध्यप्रदेश का उल्लेख किया जाए ताकि बघेलखंड की जनता स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर सके साथ ही देश विदेश से प्रयागराज जिले के इलाहाबाद विश्वविद्यालय आने वाले विद्यार्थियों को भी वीर भूमि सतना की जानकारी हो सके। पत्र लिखेंगे, बात भी करेंगे । ज्ञापन लेने के बाद प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि यह बेहद संवेदनशील मामला है उन्होंने आश्वास्त किया कि इस संबंध में वे उत्तरप्रदेश सरकार को पत्र लिखेंगे एवं व्यक्तिगत चर्चा कर इस मांग को पूरी कराने की कोशिश की जायेगी।

कोटर यूवा मोर्चा की बैठक हुई सम्पन्न

श्रीधर सिंह, सतना। कोटर यूवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में अबेर में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें यूवा मोर्चा के पदाधिकारी मौजूद रहे जिसमे यूवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सौभाग्य केशरी प्रभारी विजय तिवारी युवा मोर्चा कोटर मंडल अध्यक्ष विक्रम सिंह, मीडिया प्रभारी चक्रधर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे हैं।

लूट करने वाले तीन अभियुक्तों को सात साल का कारावास

श्रीधर सिंह सतना। सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश यतींद्र कुमार गुरु की न्यायालय ने 11 जुलाई 23 को लूट करने वाले अभियुक्त कृष्ण गर्ग उर्फ श्रीकृष्ण पिता राजेंद्र प्रसाद गर्ग उम्र 23 वर्ष निवासी सिंहपुर वार्ड नंबर 9 थाना सिंहपुर, सतना, अरविंद पांडे पिता राम लोटन पांडे उम्र 29 वर्ष निवासी धौचट थाना चौरहटा जिला रीवा और त्रिभुवन मिश्रा पिता वीरेंद्र मिश्रा उम्र 24 वर्ष निवासी अतरौली थाना चौरहटा जिला रीवा को 7 साल की सजा और एक एक हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। पीड़ित पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक कमलेश द्विवेदी ने पैरवी की। यह जानकारी जीपी कार्यालय प्रवक्ता उमेश कुमार शर्मा अपर लोक अभियोजक ने दी।

घूसकांड में फंसे नगर निगम सतना के पूर्व आयुक्त को 5 साल की जेल और 1 लाख का जुर्माना

फतवा समाचार ◈ सतना

डाक्टर से 50 लाख रुपये रिश्वत मांगने और 12 लाख रुपये लेते पकड़े जा चुके सतना के तात्कालिक नगर निगम आयुक्त को न्यायालय ने सजा सुना दी है। लोकायुक्त रीवा में पंजीबद्ध भ्रष्टाचार के प्रकरण में विशेष न्यायालय सतना द्वारा सोमवार को दिए गए निर्णय में आरोपित सुरेंद्र कुमार कथुरिया तत्कालीन आयुक्त नगर पालिक निगम सतना हाल निलंबित संबद्ध कार्यालय संचालक नगरीय विकास विभाग भोपाल को दोषी पाते हुए चार वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है।न्यायालय द्वारा आरोपित का जेल वारंट तैयार कर सेंट्रल जेल सतना भेजा गया। न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक फकरुद्दीन द्वारा की गई। न्यायालय विशेष न्याययाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) सतना द्वारा आरोपित सुरेन्द्र कुमार कथूरिया पिता सत्यानारायण कथूरिया उम्र 46 वर्ष तत्कालीन नग?र पालिक आयुक्त सतना को सजा सुनाई गई है। कथूररिया वर्तमान में भोपाल में कार्यालय संचालक नगरीय विकास विभाग में निलंबन अवधि से संबद्ध हैं। वे भोपाल टॉकीज के पास रह रहे हैं। मुख्य रूप से निवासी शक्ती जिला जांजगीर चांपा छत्तीसगढ के वे रहने वाले हैं। इनपर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 में 04 वर्ष एवं 50 हजार रुपये रुपए का अर्थदंड एवं धारा 13(1)(डी), 13(2) में 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 50 हजार रुपये कुल एक लाख रुपये अर्थदंड सें दंडित किया गया। ट्रेप कार्रवाई करने के उपरांत आरोपित को गिरफ्तार कर विशेष न्यायाधीश के न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया था और बाद में उच्च न्यायालय से जमानत मिलने पर आरोपित जेल से बाहर आया। अग्रिम विवेचना उपपुलिस अधीक्षक वीके पटेल द्वारा की गई। विवेचना के उपरांत आरोपित के विरुद्ध धारा 7, 13(1)(डी), 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 का आरोप प्रमाणित पाए जाने पर चालान विशेष न्यायाधीश के न्यायालय में वर्ष 2019 में पेश किया गया था। विचारण के दौरान अभियोजन द्वारा कुल 11 अभियोजन साक्षी को पेश कर साक्ष्य कराए गए एवं लगभग 50 दस्तोवेजी साक्ष्य भी प्रस्तुत कर प्रमाणित कराए गए। अभियोजन द्वारा इस प्रकरण में प्रस्तुत किए गए।

ये था मामला

अभियोजन प्रवक्ता हरिकृष्ण त्रिपाठी ने बताया कि विगत २० जून 17 को शिकायतकर्ता डॉक्टर राजकुमार अग्रवाल (सिटी हॉस्पिटल भरहुत नगर) द्वारा सुरेन्द्र कथूरिया आयुक्त नगर पालिक निगम सतना द्वारा 50 लाख रुपये रिश्वत की मांग करने के संबंध में पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त को लिखित शिकायत दी गई थी। शिकायत पत्र में यह लेख किया था कि भरहुत नगर स्थित सिटी हॉस्पिटल न गिराने के एवज में आरोपित सुरेन्द्र कुमार कथूरिया उससे 50 लाख रुपये की मांग कर रहा है। उक्त शिकायत पत्र को पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त रीवा द्वारा डीएसपी देवेश पाठक को सत्यापन कार्यवाही के लिए आदेशित किया था। रिश्वत संबंधी गोपनीय बातचीत डिजिटल वाइस रिकार्डर में रिकार्ड होने पर एवं शिकायत सही पाये जाने पर लोकायुक्त टीम रीवा द्वारा ट्रेप कार्रवाई २६ जून २017 को तत्कालीन उपपुलिस अधीक्षक देवेश पाठक के अगुवाई में आयोजित की गई थी। रिश्वत में देने के लिए डा. राजकुमार अग्रवाल 1२ लाख रुपये एवं चांदी के तीन टुकड़े जिस पर सोने का पानी चढा था (गोल्ड प्लेटेड सिल्वर) लोकायुक्त कार्यालय लेकर आया और उस पर केमिकल लगा कर डॉक्टर अग्रवाल को दिया गया। ट्रेप दल सतना पहुंचा और डॉ. अग्रवाल को आरोपित सुरेन्द्र कुमार कथूरिया से मिलने एवं रिश्वत मांगने पर उसे देने उसके शासकीय निवास पर भेजा गया। जहां पर आरोपित ने डॉक्टर अग्रवाल से 1२ लाख रुपये नगद एवं चांदी के तीन टुकड़े जिस पर सोने का पानी चढा था (गोल्ड प्लेटेड सिल्वर) जैसे ही रिश्वत में प्राप्त किया वैसे ही ट्रेप दल ने रंगे हाथ आरोपित को उसके शासकीय निवास में ही दबोच लिया।

बच्चा वार्ड में फाल्स सीलिंग टूट कर गिरी, हो सकता था बड़ा हादसा

हमीदिया अस्पताल के नए भवन में प्रथम तल में पर हुई घटना

भोपाल नप्र। शहर के सबसे पुराने अस्पताल हमीदिया के बच्चा वार्ड में फाल्स सीलिंग टूटकर अचानक गिर गई। इस हादसे में किसी को चोट नहीं पहुंची अन्यथा बडा हादसा हो सकता था। यह घटना अस्पताल के नए भवन में प्रथम तल में स्थित बच्चा वार्ड में हुई। इस तरह की घटनाओं से इस नए भवन की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। हादसे की वजह से वार्ड में हंगामा मच गया और थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल हो गया। इसके तुरंत बाद आसपास के बच्चों और उनके स्वजनों को कमरे से बाहर निकाला गया। बताया जाता है कि अस्पताल में फाल्स सीलिंग गिरने की घटना तब हुई, जब वार्ड में बच्चे भर्ती थे। हालांकि गनीमत यह रही कि वार्ड के जिस हिस्से में फाल्स सीलिंग गिरी, वहां कोई बच्चा नहीं था। अगर कोई बच्चा वहां भर्ती होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं इस हादसे से हमीदिया अस्पताल की नए भवन के निर्माण कार्य पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गौरतलब है कि इसके पहले भी हमीदिया के नए भवन में इस तरह की घटना हो चुकी है। हमीदिया अस्पताल की 13 मंजिला बिल्डिंग के निर्माण में 479 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इसमें मरीजों के इलाज के लिए दो ब्लाक बनाए गए हैं। साथ ही नर्सिंग अस्पताल कम कालेज, पार्किंग, गर्ल्स हास्टल आदि का निर्माण कराया गया है। लेकिन इस तरह की घटनाओं से इस नए भवन की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।घटना को लेकर हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डा. आशीष गोहिया ने बताया कि वार्ड में भर्ती सभी बच्चे पूरी तरह से ठीक हैं। सीलिंग बच्चों से दूर गिरी।

पीएच्क्यू में पदस्थ निंलबित सूबेदार के खिलाफ छेड़छाड़ की एफआईआर दर्ज

भोपाल नप्र। पुलिस मुख्यालय में पदस्थ प्रशासन शाखा के अधिकारी पर उनके कार्यालय में काम करने वाली महिला कर्मचारी ने कार्यालय में अश्लील छेड़छाड़ किये जाने के गंभीर आरोप लगाये थे। अब इस मामले में पीड़ीत महिला एएसआई की शिकायत पर जहांगीराबाद पुलिस पीएचक्यू में पदस्थ सूबेदार के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है। मामला सुर्खियो में आने के बाद मानव अधिकार आयोग ने इस पर संज्ञान में लेते हुए आला अधिकारियों से जवाब-तलब किया था, इसके बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार घटना पीएचक्यू की नई बिल्डिंग की चौथी मजिंल पर संचालित होने वाले प्रशासन शाखा में सूबेदार (एम) के पद पर पदस्थ कपूर सिंह मालवीय के कार्यालय की है। बीते दिनो शाम के समय उन्होंने साथी महिला कर्मचारी को फोन कर आवश्यक काम होने की बात कहते हुए जल्दी आने को कहा। फोन आने पर महिला कर्मचारी अपने पति के साथ शाम करीब साढ़े छह बजे पीएचक्यू पहुंची और पति को नीचे रुकने का कहकर अपने दफ्तर जा पहुंची। जब वो उपर पहुंची तो उस समय तक कार्यालय के सभी अन्य कर्मचारी करीब-करीब जा चुके थे। आरोप है कि जब वो मालवीय के पास पहुंची तो मालवीय ने उसके साथ अश्लील हरकत की।

जैसै तैसै महिला दफ्तर से निकलकर वापस आई और सारी घटना पति को बताई। अगले दिन पत्नि ने पति के साथ पीएचक्यू जाकर आला अफसरों से इसकी शिकायत की। खबर फैलते ही पुलिस मुख्याल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूत्रो के अनुसार यह शिकायत डीजीपी सक्सेना तक पहुंचने पर उन्होनें इसे गंभीरता से लेते हुए पीएचक्यू में लगे सीसीटीवी कैमरे का वीडियो फुटेज निकलवा लिया। वीडियो फुटेज में मालवीय अश्लील हरकत करते हुए नजर आये हैं। इसके बाद डीजीपी ने मालवीय के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश आईजी प्रशासन दीपिका सूरी को दिए। आईजी प्रशासन ने मालवीय को निलंबित कर दिया।

लाइनकर्मी सुरक्षा उपकरणों के साथ ही करें बिजली सुधार के कार्य

भोपाल नप्र। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी बिजली लाइनकर्मियों से अपील की है कि वे कंपनी द्वारा प्रदाय की गई टूलकिट एवं सुरक्षा कवच के साथ ही सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने सभी लाइनकर्मियों को 65 लाख से अधिक लागत के फुल बॉडी सुरक्षा कवच वितरित किये गये हैं। इनका उपयोग लाइनकर्मियों द्वारा बिजली सुधार के कार्य के दौरान किया जाना है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी लाईनकर्मियों को फुल बॉडी सेफ्टी के लिए सुरक्षा कवच एवं अत्याधुनिक टूल किट उपलब्ध कराई है। इस अत्याधुनिक टूलकिट में सेफ्टी बेग के साथ फुल बॉडी सेफ्टी बेल्ट, कटिंग प्लायर, स्क्रू ड्रायवर, नियोन टैस्टर, डिस्चार्ज रॉड, हेलमेट, इन्सुलेटेड रबर हैण्ड ग्लब्स, लैडर, लाइव करंट डिटेक्टर आदि सुरक्षा सामग्री को शामिल किया गया है।

भोपाल में कांग्रेस नेताओं का मौन सत्याग्रह राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म होने का विरोध

भोपाल नप्र। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को मानहानि के एक मामले में संसद की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने को लेकर कांग्रेस देशभर में प्रदर्शन कर रही है। इसी सिलसिले में राहुल गांधी के प्रति समर्थन जताने के लिए कांग्रेस ने बुधवार को मौन सत्याग्रह का आयोजन किया।

राजधानी भोपाल में पीसीसी मुख्यालय पर पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ की अगुआई में मौन सत्याग्रह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जेपी अग्रवाल भी मुख्य रूप से उपस्थित हुए। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव, राज्यसभा सदस्य राजमणि पटेल, जेपी धनोपिया, विद्याराम वर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप मोनू सक्सेना, श्रमिक नेता दीपक गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौन सत्याग्रह पर बैठे। दोपहर दो बजे तक कांग्रेसी मौन सत्याग्रह पर बैठे रहे। कांग्रेसियों के पीछे मौन सत्याग्रह का बैनर लगा हुआ था। इसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चित्र छपा था, जिसमें वो मौन हैं और उनकी आंखें बंद हैं। बैनर पर लिखा था कि डेमोक्रेसी डिसक्वालिफाइड। कमल नाथ की अगुआई में कांग्रेसियों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया।

धरने में शामिल हुए मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल ने कहा, राहुल गांधी पर कार्रवाई सरकार का तानाशाह रवैया है। राहुल गांधी कह चुके हैं कि वे किसी से डरते नहीं हैं, भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाते रहेंगे। अमित शाह के भोपाल के दौर पर कहा, डर दिखाई दे रहा है। बेचारे परेशान हैं। अगर काम किया होता तो 5 दौरे तो प्रधानमंत्री मोदी के हो गए। शाह भी कई बार आ चुके हैं। इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री पर भरोसा नहीं है। भाजपा की हालत दयनीय स्थिति में है। अभा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केंद्र की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अडानी के संबंधों पर सवाल उठाकर उन्हें उजागर करते रहे हैं। भाजपा द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ कुटिल कदम उठाकर उनकी लोकसभा से सदस्यता को अयोग्य घोषित कर दिया गया, सत्ता के दुरूपयोग के खिलाफ सच्चाई और साहस के साथ अपनी लड़ाई लडने् और जनता के मुद्दे उठाने में राहुल गांधी हमेशा आगे रहते हैं। कमलनाथ ने प्रदेश की जनता और कांग्रेसजनों से अपील की है सच्चाई और न्याय की इस लड़ाई में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर जनविरोधी भाजपा सरकार के खिलाफ आयोजित कांग्रेस पार्टी का मौन सत्याग्रह को सफल और प्रभावी बनाये ताकि आपकी एक आवाज मप्र विधानसभा से लेकर संसद तक गूंजे। और आईयें, आज हम सब मिलकर इस सत्याग्रह के माध्यम से गूंगी, बहरी सकरार की उखाड़ फेकने का संकल्प लें।

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, विधायक हिना कावरे, रविंद्र सिंह तोमर, सुखदेव पांसे, विजयलक्ष्मी साधो, कल्पना वर्मा सहित तमाम विधायक और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राहुल गांधी सच्चाई और न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं- कमलनाथ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सच्चाई और न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। देश और प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अब समय आ गया है कि हम एक साथ खड़े होकर अपनी आवाज को बुलंद कर बताएं कि राहुल गांधी अकेले नहीं हैं। करोड़ों कांग्रेसजन और आमजन इस लड़ाई में आपके साथ खड़े हैं। उन्होंने यह बात कल प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय प्रांगण में आयोजित बैठक में मौन सत्याग्रह को सफल बनाने की अपील करते हुए कार्यकर्ताओं से कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को लेकर प्रश्न उठाते रहे हैं। भाजपा ने कुटिल कदम उठाकर लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया पर आवाज को नहीं दबा सके। कार्यकर्ता और प्रदेशवासी सच्चाई और न्याय की इस लड़ाई में जनविरोधी भाजपा सरकार के विरुद्ध कांग्रेस के मौन सत्याग्रह को सफल और प्रभावी बनाएं ताकि आपकी आवाज प्रदेश विधानसभा से लेकर संसद तक गूंजे।

संक्षिप्त समाचार

वर्षा शुरू होते ही बढ़ा डेंगू, मलेरिया का खतरा

भोपाल नप्र। वर्षा के मौसम में मौसमी बीमारियां फैलने का खतरा अधिक रहता है। इस मौसम में होने वाली बीमारियां खतरनाक साबित हो सकती हैं, इससे सावधानी बरतने की आवश्यकता है, लापरवाही जानलेवा हो सकती है। बारिश के मौसम में होने वाली बीमारियां जैसे सर्दी, जुकाम, बुखार, मलेरिया, डेंगु, चिकनगुनिया, हैजा और टाइफाइड हो सकते हैं। इनसे बचने के लिए बारिश में ज्यादा देर तक न भीगे, भीगने से बचे, भीगने पर शरीर को साफ-कपड़े से पोछे और तुरंत कपड़े बदले। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मलेरिया से बचने के लिए अपने घर के आसपास गड्ढा न होने दें। अगर गड्ढा हो तो, उसमें पानी इकठ्ठा न होने दें। हैजा से बचने के लिए घर के आसपास सफाई रखें, गंदा पानी उपयोग में न लाएं। पानी को छानकर या उबालकर उपयोग करें। टाइफाइड खतरनाक बीमारी में से एक है। यह संक्रमित जल व दूषित भोजन से होता है, इस बीमारी में तेज बुखार आता है एवं कई दिनों तक रहता है। इस बीमारी का संक्रमण रोगी के पित्ताशय में रहता है। टाइफाइड होने वाले रोगी से दूर रहना चाहिए और चिकित्सक से दवा लेनी चाहिए। आम जनता से अपील की गई है कि वर्षा के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव जरूरी है। अगर बचाव न किया जाए तो यह खतरनाक हो सकती है। इसलिए कोई भी बीमारी होने पर डाक्टर को अवश्य दिखाएं, जिससे रोग की पहचान की जा सके।

लाइनकर्मी सुरक्षा उपकरणों के साथ ही करें बिजली सुधार के कार्य

भोपाल नप्र। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी बिजली लाइनकर्मियों से अपील की है कि वे कंपनी द्वारा प्रदाय की गई टूलकिट एवं सुरक्षा कवच के साथ ही सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने सभी लाइनकर्मियों को 65 लाख से अधिक लागत के फुल बॉडी सुरक्षा कवच वितरित किये गये हैं। इनका उपयोग लाइनकर्मियों द्वारा बिजली सुधार के कार्य के दौरान किया जाना है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी लाईनकर्मियों को फुल बॉडी सेफ्टी के लिए सुरक्षा कवच एवं अत्याधुनिक टूल किट उपलब्ध कराई है। इस अत्याधुनिक टूलकिट में सेफ्टी बेग के साथ फुल बॉडी सेफ्टी बेल्ट, कटिंग प्लायर, स्क्रू ड्रायवर, नियोन टैस्टर, डिस्चार्ज रॉड, हेलमेट, इन्सुलेटेड रबर हैण्ड ग्लब्स, लैडर, लाइव करंट डिटेक्टर आदि सुरक्षा सामग्री को शामिल किया गया है ताकि लाईनकर्मियों की करंट एवं अन्य अघातक अथवा घातक विद्युत दुर्घटनाओं से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

चीतों की निगरानी में वर्षा बन रही बाधा सिग्नल टूटने से जीपीएस हो रहा नाकाम

भोपाल नप्र। मानसून सीजन में कूनो नेशनल पार्क के जंगल में छोड़े गए चीतों की निगरानी चुनौती बन रही है। खास कर उस समय जब तेज वर्षा होने लगती है। तब चीतों के कालर आइडी से सिग्नल या तो टूट जाता है या कमजोर हो जाता है। जीपीएस लोकेशन बाधित होने से निगरानी मुश्किल हो जाती है। वर्तमान में 12 चीते खुले जंगल में हैं। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से कूनो नेशनल पार्क में लाकर बसाए गए चीतों की निगरानी और सुरक्षा के लिए इन्हें रेडियो कालर आइडी पहनाए गए हैं। इसमें जीपीएस भी लगा है। कालर आइडी रेडियो सिग्नल ट्रांसमीटर पर देता है। इससे निगरानी दलों को चीतों की सही लोकेशन मिलती है। कालर आइडी की बैटरी इसे एक्टिव रखती है परंतु तेज वर्षा में सिग्नल टूट रहे हैं। इसमें लगी जीपीएस चिप भी ठीक से काम कर रही है। जीपीएस सेटेलाइट से सिग्नल देता है। ऐसे में निगरानी दल को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। कूनो नेशनल पार्क से मादा चीता आशा पिछले तीन दिनों से बाहर है। उसकी लोकेशन आगर के जंगल में मिल रही है। ऐसे में आशा को लेकर विशेष निगरानी बरती जा रही है। संभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) पीके वर्मा का कहना है कि ट्रैकिंग दल आशा की सतत निगरानी कर रहा है।

मुयमंत्री ने जामुन, खिरनी और केसिया के पौधे रोपे

भोपाल नप्र। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में जामुन, खिरनी और केसिया के पौधे रोपे। मुख्यमंत्री चौहान के साथ अव्यान राज पटेल और उनके परिजनों ने पौधे लगाए। पटेल को कान की बीमारी के कारण सुनाई नहीं देता था। मुख्यमंत्री की पहल पर स्वेच्छानुदान मद से सहायता उपलब्ध कराकर दिव्य ई.एन.टी. अस्पताल भोपाल में उनका उपचार कराया गया। सफल उपचार के बाद अव्यान और उनके परिजनों ने पौधे लगाकर मुख्यमंत्री चौहान का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री चौहान के साथ गोपाल तोमर ने अपने जन्म-दिवस पर पौधा लगाया। पूर्व विधायक सुरेंद्र नाथ सिंह भी पौध- रोपण में शामिल हुए।

सीएम राइज स्कूल का शुभारंभ 17 को करेंगे मुयमंत्री

भोपाल नप्र। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 17 जुलाई को स्कूल चलें हम अभियान 2023 का शुभारंभ करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम शाजापुर जिले के गुलाना में नवनिर्मित सीएम राइज विद्यालय में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान गुलाना में 42 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार हुए प्रदेश के पहले सीएम राइज़ स्कूल भवन का लोकार्पण भी करेंगे। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दूरदर्शन एवं आकाशवाणी सहित अन्य संचार माध्यमों पर पूर्वान्ह 11 बजे से किया जायेगा, जो प्रदेश के सभी जिलों की समस्त शासकीय शालाओं में दिखाया जाएगा।

पुलिस पर लगे गुंडे को थाने में नग्न कर फोटो खींच वायरल करने के आरोप

भोपाल नप्र। राजधानी की टीटी नगर थाने के दो पुलिसकर्मियो पर कमला नगर इलाके के गुंडे को थाने में नग्न कर उसके फोटो खींच वायरल करने के गंभीर आरोप लगे है। इस मामले में पीड़ित की पत्नी ने पुलिस कमिश्नर से दो पुलिस अधिकारियों पर उसके पति की गिरफ्तारी के दौरान मारपीट कर नग्न फोटो खींच कर सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप लगाए हैं। वहीं पीड़ित ने फोटो वायरल करने वाले पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई न होने पर खुकदुशी करने के धमकी दी है। मिली जानकारी के अनुसार अम्बेडकर मल्टी में रहने वाला 27 वर्षीय राहुल निरापुरे पुताई का काम करता है। उसका एक निर्वस्?त्र वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है। इस फोटो में वह एक स्थान पर नग्न बैठा है। उस पर लिखा है कि राहुल किंग आफ मल्टी। मामले में उसकी पत्नी ने की गई शिकायत में बताया कि साल 2022 के अक्टूबर माह में टीटी नगर पुलिस ने उनके पति को हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद राहुल को एसआई सुनील रघुवंशी ने नग्न कर पहले तो जमकर उसे पीटा इसके बाद एएसआई अखिलेश त्रिपाठी ने मोबाइल से उसके नग्न फोटो खींच लिये। करीब दो तीन सप्ताह बाद राहुल निरापुरे से रंजिश रखने वाले लोग राहुल के थाने में नग्न हालत में खीचें गये फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। राहुल की पत्नी का कहना है, उसका पति आपराधिक प्रवृत्ति का हैं, और उसे पुलिस ने मामला दर्ज गिरफ्तार किया जेल भेजा, लेकिन एसआई रघुवंशी और एएसआई त्रिपाठी को उनके साथ ऐसी हरकत नहीं करनी चाहिये थी। मेंरे दो मासूम बच्चे है, इस हरकत से उसके पति और सारे परिवार की समाज और रिश्तेदारो में बदनामी हो गई है।

आरटीओ में चिप वाले नए खाली कार्ड की किल्लत

वाहन पंजीयन या ड्राइविंग लाइसेंस कार्ड के लिए लोग परेशान

भोपाल नप्र। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में इन दिनों चिप वाले 15 हजार से अधिक स्मार्ट कार्ड की कमी बनी हुई है। इसके चलते पिछले कुछ महीनों से वाहनों का स्थानांतरण, पंजीयन, नवीनीकरण सहित ड्राइविंग लाइसेंस के काम का बोझ बढ़ता रहा है। आरटीओ संबंधी कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं। वहीं आरटीओ अधिकारी जल्द ही इस समस्यां को दूर करने की बात कह रहे हैं, लेकिन लोगों को फिलहाल राहत मिलती नजर नहीं आती।

आरटीओ में खाली कार्ड की कमी के कारण ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनाने की व्यवस्था बे-पटरी हो गई है। जिले के 15 हजार से अधिक लोग लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन के लिए परेशान हैं। इन्हें 15 दिन में लाइसेंस का कार्ड मिल जाना चाहिए था, लेकिन एक से दो महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है। आरटीओ में जब तक नए कार्ड आते हैं, तब तक वेटिंग बढ़ जाती है। गौरतलब है कि ड्राइविंग लाइसेंस का कार्य राष्ट्रीय सूचना केंद्र के परिवहन सारथी पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। खाली कार्ड प्रिंट करने की जिम्मेदारी स्मार्ट चिप कंपनी के पास है। सीएम हेल्पलाइन में करीब 150 शिकायतें लाइसेंस से संबंधित हैं। लोग कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर भी शिकायत दर्ज करा रहे हैं। इसके अलावा समय पर वाहनों के पंजीयन कार्ड लोगों तक नहीं पहुंच रहे हैं। इससे लोगों को बिना पंजीयन नंबर लिखवाए नए वाहनों को चलाना पड़ रहा है। ऐसे लोगों पर पुलिस कार्रवाई भी कर रही है।

वहीं पुलिस की चालानी कार्रवाई से बचने के लिए लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत होती है। हर महीने बड़ी संख्या में नए ड्राइविंग लाइसेंस बन रहे हैं। डीएल नवीनीकरण या संशोधन कराने के लिए भी नया डीएल बनाने को खाली कार्ड की जरूरत होती है। ऐसे में स्मार्ट कार्ड की उपलब्ध नहीं होने से लोग परेशान हो रहे हैं।

पर्यावरण मंत्री डंग की अध्यक्षता में राज्य वेटलेण्ड प्राधिकरण की बैठक

खातियार गिर को रामसर साइट घोषित करने का प्रस्ताव भेजा जाएगा

भोपाल नप्र। पर्यावरण मंत्री हरदीप सिंह डंग की अध्यक्षता में आज पर्यावरण परिसर में हुई राज्य वेटलेण्ड प्राधिकरण की बैठक में चम्बल अभयारण्य के खातियार गिर ईको रीजन वेटलेण्ड को देश के नये रामसर साइट में शामिल करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। प्रदेश में भोज वेटलेण्ड सहित 4 रामसर साइट हैं। इनमें से इंदौर की यशवंत सागर और सिरपुर तालाब, माधव राष्ट्रीय पार्क शिवपुरी के साख्य सागर को पिछले वर्ष केन्द्र शासन से रामसर साइट का दर्जा मिला है। केन्द्र शासन की एनपीसीए योजना में धार वेटलेण्ड कॉम्पलेक्स और गिरवर तालाब शाजापुर की परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। धार वेटलेण्ड कॉम्पलेक्स के लिये परियोजना राशि 37 करोड़ 14 लाख और गिरवर तालाब के 6 करोड़ 69 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है। प्रदेश में 2 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाले 15 हजार से अधिक तालाबों का संरक्षण सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन अनुसार किया जा रहा है। मंत्री डंग ने तालाब के केचमेंट एरिया के संबंध में शिकायतों और न्यायालयीन प्रकरणों की जानकारी ली। जल स्त्रोतों के संरक्षण में समाज, प्रशासन को भागीदार बनाने के उद्देश्य से जिला वेटलेण्ड संरक्षण समितियों का गठन किया जा रहा है। अब तक 22 जिलों में इनका गठन हो चुका है। मंत्री डंग ने मध्यप्रदेश राज्य वेटलेण्ड प्राधिकरण द्वारा मध्यप्रदेश की रामसर साइट-भोज वेटलेण्ड, साख्य सागर, सिरपुर और यशवंत सागर पर आधारित रामसर साईट्स पुस्तिका का विमोचन भी किया। प्रमुख सचिव पर्यावरण गुलशन बामरा, कार्यकारी निदेशक एप्को मुजीबुर्रहमान, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव सी.एम. ठाकुर, राज्य वेटलेण्ड प्राधिकरण के सदस्य श्रीनिवास मूर्ति, अभिलाष खाण्डेकर, डॉ. सुनील कुमार नायक, डॉ. सुभाष सिंह, डॉ. सौरभ पोपली और लोकेन्द्र ठक्कर सहित जल संसाधन, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, जैव विविधता बोर्ड, राजस्व के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

शा. होम्योपैथिक चिकित्सालय, भोपाल में सोरायसिस के इलाज की सुविधा

भोपाल नप्र। भोपाल के आयुष परिसर स्थित शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय और चिकित्सालय में सोरायसिस रोग के इलाज की इकाई में सोरायसिस के रोगियों का निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। उपचार संबंधी सभी औषधियाँ एवं खून की जाँच निःशुल्क उपलब्ध है। प्रतिदिन प्रातः 9 से शाम 4 बजे तक रोगियों का परीक्षण एवं उपचार की सुविधा है। निःशुल्क उपचार के लिये नवीन रोगी का अग्रिम पंजीयन आवश्यक है, जिसके लिए मोबाइल नम्बर 9630667239 पर सम्पर्क किया जा सकता है। यह इकाई केन्द्रीय आयुष मंत्रालय दिल्ली और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के सहयोग से संचालित की जा रही है।

रेपिड न्यूज

बाबर आजम के साथ काम करना रोमांचक होगा : कोलंबो स्ट्राइकर्स कोच साइमन हेल्मोट

कोलंबो । कोलंबो स्ट्राइकर्स की टीम लंका प्रीमियर लीग में अपनी शुरूआत करने के लिए तैयार है, जो 30 जुलाई से 20 अगस्त 2023 तक खेला जाएगा। फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच साइमन हेल्मोट ने मंगलवार को एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि वह पाकिस्तान सुपरस्टार बाबर आजम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, "हमारे पास एक अच्छी तरह से संतुलित टीम है। सागर और टीम ने नीलामी के दिन बहुत अच्छा काम किया। बाबर आजम के साथ काम करना रोमांचक होगा। हमारे समूह में काफी युवा हैं। हमारे लिए अगली चुनौती मैच के दिन काम करना होगा। हम अपने पहले मैच में लय हासिल करना चाहेंगे।" हेल्मोट ने आगे कहा कि एलपीएल का श्रीलंका में जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, "टूनार्मेंट निश्चित रूप से युवा खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है। युवा गेंदबाजों के लिए चमिंडा वास जैसे खिलाड़ी के साथ काम करना बहुत अच्छा होगा। यह प्रतियोगिता जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को एलपीएल टीमों में से किसी एक में जगह बनाने के लिए प्रयास करने के लिए भी प्रेरित करेगी।"
इस बीच, कोलंबो स्ट्राइकर्स के बॉलिंग कोच चामिंडा वास ने कहा, "#हमारे पास काफी अच्छी बॉलिंग यूनिट है, जिसका नेतृत्व नसीम शाह और वहाब रियाज करेंगे। मथीशा पथिराना ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है। मैं टूनार्मेंट का इंतजार कर रहा हूं। वास ने यह भी कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय सितारों से सीखना महत्वपूर्ण है।

फीफा ने जिम्बाब्वे के विश्व टूनार्मेंटों में भाग लेने पर लगे प्रतिबंध को हटाया

हरारे । फुटबॉल की वैश्विक नियामक संस्था फीफा ने जिम्बाब्वे के विश्व टूनार्मेंटों में भाग लेने पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया है। देश की खेल, कला और संस्कृति मंत्री किर्स्टी कोवेंट्री ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी। कोवेंट्री ने हरारे में एक संवाददाता सम्मेलन में 18 महीने के निलंबन की समाप्ति को रोमांचक और अविश्वसनीयबताया। फीफा ने कनाडा, मैक्सिको और यूएसए में अगले विश्व कप के लिए अफ्रीकी क्वालीफायर के ड्रा से केवल दो दिन पहले सोमवार को प्रतिबंध हटाया। कि फीफा ने खेल के संचालन में सरकारी हस्तक्षेप के कारण फरवरी 2022 में जिम्बाब्वे को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में भाग लेने से रोक दिया था। कोवेंट्री ने कहा,"हमारे एथलीट अपने सपने को जीने के लिए वहां वापस आने का मौका पाने के हकदार हैं और वे ऐसा करने जा रहे हैं।" पिछले साल के प्रतिबंध के बाद अफ्रीकी देश के खेल और मनोरंजन आयोग ने भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और महिला रेफरी के यौन शोषण सहित विभिन्न आरोपों का हवाला देते हुए जिम्बाब्वे फुटबॉल एसोसिएशन (जेडआईएफए) के बोर्ड को निलंबित करने का निर्णय लिया था।
सोमवार को, वैश्विक फुटबॉल की शासी निकाय फीफा ने नए बोर्ड के चुनाव तक जेडआईएफए को चलाने के लिए एक सामान्यीकरण समिति की नियुक्ति का निर्देश दिया था। जिसके बाद अंतरिम रूप से जेडआईएफए के मामलों को चलाने के लिए एक चार सदस्यीय टीम नियुक्त की गई है।
कोवेंट्री ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि हम सभी इस अवसर को दोनों हाथों से लेंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी गति से आगे बढ़ेंगे कि जिम्बाब्वे फुटबॉल की दुनिया में एक वैश्विक घटना बन जाए।"

भारत की नजरें बांग्लादेश का सूपड़ा साफ करने पर

भारत-बांग्लादेश तीसरा और आखिरी टी20 मैच आज

मीरपुर ■ एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम बल्लेबाजी की कमजोरियों से पार पाते हुए बांग्लादेश के खिलाफ बृहस्पतिवार को यहां तीसरे और आखिरी टी20 मैच के लिये उतरेगी तो फोकस श्रृंखला 3.0 से जीतने पर रहेगा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने पहले दो मैच आसानी से जीते। दूसरे मैच में हालांकि भारत की बल्लेबाजी निराशाजनक रही जब 20 ओवर में टीम आठ विकेट पर 95 रन ही बना सकी। भारतीय गेंदबाजों ने हालांकि बल्लेबाजों की नाकामी की भरपाई करते हुए बांग्लादेश को 87 रन पर ही समेट दिया था।

दो मैचों में नाकाम रहने के बाद एक बार फिर सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा पर सभी की नजरें होंगी। पिछले मैच में उन्होंने 14 गेंद में 19 रन बनाए जो भारतीय पारी में सर्वोच्च स्कोर था लेकिन उसे अपनी क्षमता और लोगों की अपेक्षाओं का अहसास है। उनके पास 16 जुलाई से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला से पहले फॉर्म में लौटने का

एक और मौका है। उपकप्तान स्मृति मंधाना को भी बड़ी पारी का इंतजार है।

भारतीय सलामी बल्लेबाज टीम को अच्छी शुरूआत देने में नाकाम रहे हैं और अब उनके पास अपनी गलतियों में सुधार करने का एक और मौका है। जेमिमा रौड्रिग्स ने बीच के ओवरों में 21 गेंद खेलकर सिर्फ आठ रन बनाए। पहले मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद दूसरे मैच में खाता भी नहीं खोल सकी कप्तान हरमनप्रीत फिर लय में आने की कोशिश में होंगी।

भारतीय गेंदबाजों दीप्ति शर्मा, मीनू मनी और शेफाली ने दूसरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। मेजबान टीम के बल्लेबाज भी बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। उसके गेंदबाजों ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन भारत जैसी मजबूत टीम को हराने के लिये उन्हें एक ईकाई के रूप में अच्छा खेलना होगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच से टेस्ट पदार्पण करेंगे यशस्वी जायसवाल,कप्तान रोहित ने की पुष्टि

नई दिल्ली । यशस्वी जायसवाल डोमिनिका में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उक्त जानकारी दी। २१ वर्षीय जयसवाल ने इंडियन प्रीमियर लीग के शानदार सीजन सहित सभी प्रारूपों में घरेलू सर्किट में शानदार प्रदर्शन किया है। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज, जो २०२० अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट था, पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप २०२३ फाइनल के लिए स्टैंड-बाय टीम के सदस्य थे। जायसवाल ने केवल 15 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं लेकिन उनमें उनका औसत 80 से अधिक है, जिसमें नौ शतक और २६५ का उच्चतम स्कोर है। रोहित ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चेतेश्वर पुजारा द्वारा खाली किए गए स्थान को भरने के लिए शुभमन गिल नंबर ३ पर उतरेंगे। पुजारा को वेस्टइंडीज दौरे पर टीम में शामिल नहीं किया गया है। रोहित ने पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा,"गिल नंबर ३ पर खेलेंगे क्योंकि गिल खुद नंबर ३ पर खेलना चाहते हैं।

शंकर मुथुसामी अमेरिकी ओपन सुपर 300 के मुख्य ड्रॉ में

काउंसिल ब्लफ्स (अमेरिका) –जूनियर विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता शंकर मुथुसामी ने यहां दो जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूनार्मेंट के पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

चेन्नई के 19 साल के शंकर ने मंगलवार रात अपने अभियान की शुरूआत ब्राजील के डेवी सिल्वा के खिलाफ 21-17 21-11 की जीत के साथ की और फिर कनाडा के बीआर संकीर्थ को 21-11 21-17 से हराया। सीनियर सर्किट पर पहले सत्र में हिस्सा ले रहे दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी शंकर को मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में आयरलैंड के नहात एनगुएन से भिड़ना है।

राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन पारूपल्ली कश्यप हालांकि जापान के कू ताकाहाशी के खिलाफ अपने दूसरे दौर के मुकाबले के बीच से हट गए। कश्यप ने जब हटने का फैसला किया तब वह 21-23 7-11 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने पहले दौर में इंग्लैंड के रोहन मिधा को 21-19 21-17 से हराया था।

कृष्ण प्रसाद गारगा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की पुरुष युगल की जोड़ी को मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में ही चीनी ताइपे के लिन यू चीह और सू ली वेई के खिलाफ 14-21 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सहर, स्नेहा ने एमेच्योर खिलाड़ी मन्नत के साथ बनाई बढ़त

बेंगलुरु – सहर अटवाल ने अंतिम लम्हों में दो बर्डी के साथ बुधवार को यहां पहले दौर में दो ओवर 69 के स्कोर से महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 11वें चरण में स्नेहा सिंह और एमेच्योर खिलाड़ी मन्नत बरार के साथ बढ़त बना ली। सहर ने एक डबल बोगी और दो बोगी की लेकिन 15वें और 18वें होल में बर्डी से वह दो ओवर का स्कोर बनाने में सफल रहीं। स्नेहा ने पहले दौर में चार बोगी और दो बर्डी की जबकि मन्नत ने भी दो बर्डी और चार बोगी की। त्वेसा मलिक तीन ओवर 70 के स्कोर से दुर्गा नित्तुर और अनन्या दतार के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर चल रही हैं। पिछले दो दौर से बाहर रहने के बाद वापसी कर रही गौरिका बिश्नोई और गौरी करहादे संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर हैं। दोनों का स्कोर चार ओवर 71 है।

हैदराबाद एफसी ने कोस्टा रिका के स्ट्राइकर जोनाथन मोया को अनुबंधित किया

हैदराबादक्ल - इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फ्रेंचाइजी हैदराबाद एफसी ने कोस्टा रिका के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जोनाथन मोया के साथ अनुबंध किया है। यह 31 वर्षीय स्ट्राइकर कोरिया में दो साल बिताने के बाद हैदराबाद एफसी से जुड़ेगा। वह 2023-24 सत्र से पहले टीम से जुड़ने वाले पहले नए विदेशी खिलाड़ी हैं। सेन जोस में जन्में मोया ने अपने करियर की शुरूआत डिपोर्टिवो सापरिसा अकादमी में की जिसने देश को उसके सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से कुछ दिए हैं। वह कोस्टा रिका प्रीमियर डिविजन, स्पेन में सेगुंडा डिविजन के अलावा यूक्रेन की शीर्ष लीग में भी खेल चुके हैं।

मीराबाई के नक्शेकदम पर चलकर उनको पीछे छोड़ना चाहती हैं ज्ञानेश्वरी

ग्रेटर नोएडा – मीराबाई चानू कई खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं लेकिन ज्ञानेश्वरी देवी के लिए वह प्रतिस्पर्धी भी हैं और यह प्रतिभाशाली भारोत्तोलक तोक्यो ओलंपिक पदक विजेता की तरह सफलता हासिल करने का ही नहीं बल्कि प्रतिस्पर्धा में उन्हें पीछे छोड़ने का भी सपना देखती है। ज्ञानेश्वरी भी मीराबाई की तरह 49 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करती हैं। पिछले साल रैंकिंग सीरीज में 20 साल की यह खिलाड़ी पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। ज्ञानेश्वरी ने कहा, मीरा दीदी मेरी प्रेरणा हैं और वह प्रतिस्पर्धी भी हैं (49 किग्रा वर्ग में)। इसलिए मुझे हमेशा से यकीन है कि एक दिन मैं उन्हें पीछे छोड़ दूंगी। उन्होंने कहा, उन्हें प्रतिस्पर्धा करते हुए देखना काफी प्रेरणादायी है। उन्होंने 49 किग्रा वर्ग में विश्व रिकॉर्ड बनाया है और मैं भी ऐसा ही करना चाहती हूं। अपनी आदर्श मीराबाई से पहली बार मुलाकात को बयां करने के लिए 2022 जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी के पास शब्द नहीं थे।

उन्होंने कहा, मैं 2021 में एनआईएस पटियाला में शिविर में उनसे मिली। यह ओलंपिक के बाद की बात है। उन्हें देखकर मुझे बेहद खुशी हुई। मैं उनसे गले मिली और फिर उनसे बात की। यह अनुभवी अविश्वसनीय था। मैं इससे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। ज्ञानेश्वरी मीराबाई के साथ एनआईएस पटियाला में प्रशिक्षण लेती हैं। मीराबाई अभी अमेरिका के सेंट लुई 65 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा, अब, मैं उनसे हर दिन मिलती हूं और वह हमेशा मुझसे बहुत अच्छे से मिलती हैं। मैंने उन्हें ट्रेनिंग करते हुए, उनके पेशेवरपन और समर्पण को देखकर बहुत कुछ सीखा है।

यूरोप दौरे के लिए रवाना हुई भारतीय टीम, कप्तान सविता को अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद

बेंगलुरु - भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों की तैयारी के लिए बुधवार को अपने यूरोपीय दौरे पर रवाना हो गई। सविता पूनिया की टीम सबसे पहले तीन मैचों की सीरीज के लिए जर्मनी के लिए उड़ान भरेगी, जिसके बाद वह स्पेन हॉकी फेडरेशन की 100वीं वर्षगांठ के लिए स्पेन जायेगी। जर्मनी में भारत का अभियान लिंबर्ग में 16 जुलाई को चीन के खिलाफ शुरू होगा। इसके बाद सविता की टीम 18 और 19 जुलाई को वीसबेडन और रसल्सहाइम में मेजबान जर्मनी से भिड़ेगी।

इसके बाद भारतीय टीम स्पेनिश हॉकी फेडरेशन 100वीं वर्षगांठ अंतररष्ट्रीय टूनार्मेंट के लिये 20 जुलाई को स्पेन के टेरासा के लिये उड़ान भरेगी। भारत अपने अभियान की शुरूआत 25 जुलाई को मेजबान स्पेन के खिलाफ करेगा, जबकि उसका अगला मुकाबला 27 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारत का आखिरी ग्रुप मैच 28 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ होगा। भारतीय टीम अभी तक बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में प्रशिक्षण ले रही थी।

भारतीय टीम के रवाना होने से पहले कप्तान सविता ने कहा, हम वास्तव में इस दौरे का इंतजार कर रहे हैं। एशियाई खेलों से पहले अच्छी टीमों के खिलाफ खेलने से हमें सीखने का अच्छा अनुभव मिलेगा। आगामी एशियाई खेलों की तैयारी के लिये ये मैच महत्वपूर्ण होंगे। पिछले कुछ महीनों में अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम करने के बाद हम जर्मनी और स्पेन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का लक्ष्य रखेंगे।' इस बीच, भारतीय महिला हॉकी टीम की उप-कप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा, हमने पिछले कुछ हफ्तों में कठोर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये हैं। तैयारियां वास्तव में अच्छी रही हैं, और हमारा पिछला प्रदर्शन खिलाड़ियों के लिये काफी आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। हम जर्मनी और स्पेन में अपने मैचों में इसे दोहराने की कोशिश करेंगे।

अदाणी ट्रांसमिशन ने जीता 'गोल्डन पीकॉक' पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार

अहमदाबाद । देश में सूचीबद्ध निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी और अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा, अदाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड ने 'पॉवर ट्रांसमिशन सेक्टर' में 'इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स' की तरफ से 'गोल्डन पीकॉक एन्वायर्नमेंट मैनेजमेंट अवॉर्ड' जीता है।
इस वर्ष एन्वायर्नमेंट, हेल्थ एंड सेफ्टी, एनर्जी और क्लाइमेट चेंज एक्सपर्ट्स वाले एक मूल्यांकन समूह ने 520 से अधिक एप्लीकेशन्स का मूल्यांकन किया है। इसके बाद इन आवेदनों की भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तथा भारतीय संविधान सुधार के लिए राष्ट्रीय आयोग के पूर्व अध्यक्ष न्यायमूर्ति एम.एन. वेंकटचलैया की अध्यक्षता में एक प्रतिष्ठित जूरी समिति द्वारा समीक्षा की गई थी।
'गोल्डन पीकॉक एन्वायर्नमेंट मैनेजमेंट अवॉर्ड' लैंडफिल में जीरो वेस्ट, सिंगल-यूज प्लास्टिक फ्री, वॉटर-पॉजिटिव संचालन, रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन को बढ़ावा देने और सर्वोत्तम श्रेणी की पर्यावरण प्रबंधन रणनीतियों के कार्यान्वयन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से अपने इकोलॉजिकल फुटप्रिंट को कम करने के लिए एटीएल का दृढ़ समर्पण है। यह अवॉर्ड पर्यावरण प्रबंधन में उत्कृष्टता के प्रति एटीएल की प्रतिबद्धता को दशार्ता है और इसे इंडस्ट्री में उसके नेतृत्व के प्रमाण के रूप में देखा जा सकता है। यह मान्यता न सिर्फ प्रणाली के पालन के प्रति एटीएल के समर्पण को दशार्ती है बल्कि एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में भी इसकी भूमिका को भी उजागर करती है। एटीएल को अपनी बीटूसी शाखा यानी अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड द्वारा मुंबई क्षेत्र में वितरण के लिए थोक बिजली खरीद में रिन्यूएबल एनर्जी बढ़ाने की अनूठी रणनीतिक पहल के लिए 'विजेता' घोषित किया गया था। इस पुरस्कार के अन्य मापदंडों में रेगुलेटरी नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन, रिस्क मैनेजमेंट दृष्टिकोण को अपनाना जो बदले में क्षति के परिणामस्वरूप कंपनी के खर्च को कम करेगा और व्यवसाय में सतत विकास प्राप्त करने के लिए रणनीतियों के कार्यान्वयन को बढ़ावा देगा। यह पुरस्कार एटीएल की लॉन्ग-टर्म एन्वायर्नमेंट-सोशल-गवर्नेंस प्रतिबद्धता को एक उत्साहवर्धक मान्यता प्रदान करता है।

अप्रैल-जून के बीच 10 हजार करोड़ से ज्यादा प्राइवेट इक्विटी इनवेस्टमेंट

रियल एस्टेट सेक्टर को मिली जान, निवेशकों का बढ़ा रुझान

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। लंबे समय से गिरावट का सामना कर रहे देश के रियल एस्टेट सेक्टर को जान मिलती नजर आने लगी है। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान रियल एस्टेट सेक्टर में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्राइवेट इक्विटी इन्वेस्टमेंट हुआ है। इन 3 महीने की अवधि में प्राइवेट इक्विटी इन्वेस्टमेंट में पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में करीब 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रियल एस्टेट सेक्टर पर जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल अप्रैल से जून अवधि के दौरान रियल एस्टेट सेक्टर में करीब 70.40 करोड़ डॉलर का प्राइवेट इक्विटी इन्वेस्टमेंट हुआ था, लेकिन इस साल इन 3 महीनों में 130 करोड़ डॉलर यानी करीब 10,700 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इस अवधि के दौरान सबसे अधिक करीब 66 प्रतिशत प्राइवेट इक्विटी इन्वेस्टमेंट कमर्शियल और ऑफिस एसेट्स में हुआ है। जबकि प्राइवेट इक्विटी इन्वेस्टमेंट

में रेजिडेंशियल एसेट्स की हिस्सेदारी कम रही है। प्राइवेट इक्विटी इन्वेस्टमेंट में ज्यादातर निवेशकों ने दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और हैदराबाद की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया। इन तीन क्षेत्रों में प्राइवेट इक्विटी इनवेस्टमेंट की हिस्सेदारी करीब 63 प्रतिशत रही है। ये निवेश पूरी तरह से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के जरिए किया गया।

अधिमान्य पत्रकार नेतृत्व समिति की बैठक भोपाल में संपन्न

भोपाल । अधिमान्य पत्रकार नेतृत्व समिति भोपाल में बैठक आयोजित की गई यह बैठक एमएलए रेस्ट हाउस में आयोजित की गई इस बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष,ए के स्वर्णकार जी की मुख्य उपस्थिति में यह बैठक आयोजित की गई जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष डल्लू कुमार सोनी जी भी इस बैठक में उपस्थित रहे साथी प्रदेश के पदाधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित रहे जिसमें टीकमगढ़ बड़वानी धार छिंदवाड़ा सिंगरौली ग्वालियर सांची एवं जबलपुर मंडला शहडोल एवं उमरिया वाह अनूपपुर के प्रदेश पदाधिकारी बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित हुए इस बैठक में कई निर्णय ऊपर चर्चा की गई पत्रकारों के हित में कार्य करने एवं वृक्षारोपण का कार्य पूरे प्रदेश में किया जाए सांची पूरे मध्यप्रदेश में सदस्यता अभियान एवं समिति को और भी सशक्त मजबूत बनाने के लिए निर्णय लिया गया आगामी बैठक की भी घोषणा की गई है यह बैठक जबलपुर में आयोजित की जाएगी पदाधिकारियों ने अपने-अपने समस्याओं से प्रदेश उपाध्यक्ष को अवगत कराया साथ ही क्षेत्र में काम करने के लिए आने वाली समस्याओं को भी प्रदेश पदाधिकारियों ने वातार्लाप की जिसे दूर करने के लिए निर्णय लिया गया इस बैठक में सभी का सम्मान दिया गया

कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर में डीएम ने धारा 144 के अंतर्गत जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

फतवा समाचार◈ अनूपपुर

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री आशीष वशिष्ठ ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत कार्यालय कलेक्टर परिसर अनूपपुर में जुलूस, आमसभा, नारेबाजी एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के आए दिन उपयोग से कार्यालयीन एवं न्यायालयीन कार्य प्रभावित एवं परिशांति भंग होने की संभावना को देखते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार कलेक्टर कार्यालय के परिसर में ध्वनि विस्तार यंत्र पर रोक लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया गया है। कोई भी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन अथवा कोई भी आंदोलनकारी व्यक्ति इस परिसर में प्रतिबंधित रहेंगे। ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग परिसर एवं उससे लगे हुए 100 मीटर की परिधि में प्रतिबंधित किया गया है। ज्ञापन सौंपे जाने के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार (मेन गेट) पर ही शांतिपूर्ण ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए व्यक्ति, संगठन कार्यकताओं द्वारा अधिकृत अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कोई भी दल, संगठन, आंदोलनकारी व्यक्ति, जुलूस, आमसभा या नारेबाजी, ज्ञापन आदि सौंपे जाने से 3 दिन पूर्व अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर से विधिवत लिखित में अनुमति प्राप्त करेंगे और निर्धारित स्थल पर ही उक्त गतिविधियां करेंगे। आदेश में उल्लेखित किया गया है कि आदेश की तामीली सम्यक समय एवं पक्षों को करना संभव न होने के कारण एकपक्षीय रूप से तामील के निर्देश दिए गए हैं। आदेश का उल्लंघन किए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा-188 के अंतर्गत अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश 2 माह तक की अवधि के लिए प्रभावशील किया गया है।

कर्मचारी संघ नेअपनी 24 सूत्री मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

फतवा समाचार◈ उमरिया

जिले में मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संघ के द्वारा अपने प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संघ के आह्वान पर कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम 24 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा संघ के जिलाध्यक्ष द्वारा बताया गया कि लगातार कई वर्षों से मध्यप्रदेश में पुरानी पेंशन योजना लागू करने कर्मचारियों की पदोन्नति और केंद्र सरकार के समान महंगाई भत्ता देने के मांग की जा रही है लेकिन इन मांगो पर सरकार द्वारा अभी तक कोई विचार नहीं किया गया इससे लगातार कर्मचारियों का मनोबल गिर रहा है और इससे शासकीय कार्य भी प्रभावित होता है हम पुनः इस ज्ञापन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से अनुरोध करते हैं कि आपने सभी वर्गों को कुछ ना कुछ देने का काम किया है अब हमारी भी इन मांगों को अति शीघ्र पूरा करें

मुख्यालय के आदेश के बाद ताबड़तोड़ कार्रवाई

शहडोल पुलिस ने एक दिन में बनाए 72 वाहन चालान, 26 हजार रुपए से ज्यादा का वसूला जुर्माना

फतवा समाचार◈ शहडोल

यातायात नियम का पालन नहीं करने वाले 72 वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। पुलिस मुख्यालय के पीटीआरआई से एक विशेष अभियान चलाने के लिए आदेश जारी हुआ है। इसको लेकर प्रदेश के हर जिलों में यातायात नियम का पालन ना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध पुलिस सख्त हो गई और कार्रवाई करती दिखाई दे रही है। पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी करते हुए बताया कि जबलपुर हाईकोर्ट में एक याचिका लगाई गई थी। याचिकाकर्ता ने जिक्र किया था कि आए दिन सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत हो रही है। मौत का सबसे बड़ा कारण बाइक चलाते समय बिना हेलमेट के वाहन चालक बाइक चला रहे हैं। फोर व्हीलर चलाते समय बिना सीट बेल्ट के ही वाहन चलाते चालक दिखाई देते हैं। इसकी वजह से आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और लोगों की जान चली जाती है। न्यायालय जबलपुर ने सुनवाई करते हुए पुलिस मुख्यालय को निर्देश जारी किए। इसके बाद 2 माह के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिले के हर थाने एवं यातायात पुलिस प्रदेश भर में अब बिना हेलमेट के बाइक चलाते एवं बिना सीट बेल्ट के फोर व्हीलर वाहन चलाते वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई कर रही है।यातायात डीएसपी मुकेश दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के विभिन्न स्थानों के साथ साथ शहडोल बुढार हाईवे पर वाहनों की सघन जांच की। इसमें कुल 72 चालान काटे। बिना हेलमेट के वाहन चलाते 45 वाहन, 16 बिना सीट बेल्ट के फोर व्हीलर वाहन चलाते और 11 अन्य यातायात नियम का पालन न करने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई कर पुलिस ने 26 हजार 400 रुपए का जुमार्ना वसूल किया। यातायात पुलिस ने स्कूलों कॉलेज और हाईवे पर वाहन चेकिंग के दौरान लोगों को यातायात नियम का पाठ भी पुलिस पढ़ा रही है। बिना हेलमेट बिना सीट बेल्ट के वाहन ना चलाएं, इसको लेकर पुलिस अब लोगों को समझाइश देती भी सड़कों पर दिख रही है। विशेष अभियान 7 जुलाई से 7 सितंबर तक चलाया जाएगा।

शैक्षणिक संस्थाओं तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों का जिपं. सीईओ ने लिया जायजा

गुणवत्तायुक्त पढ़ाई तथा स्वच्छता व रखरखाव के संबंध में दिए 5निर्देश

हैण्डवॉश यूनिट के निष्क्रिय रहने पर जताई नाराजगी

फतवा समाचार◈ अनूपपुर

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभय सिंह ओहरिया ने पेयजल तथा विद्युत व्यवस्था के संबंध में आंगनबाड़ी केन्द्र बीमा ग्राम बदरा, सीएम राईज प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला बीमा ग्राम बदरा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निकेतन भदरा कालरी तथा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला तथा शा. उ.मा.वि. जमुना कालरी, प्राथमिक शाला पकरिया, शा. पूर्व माध्यमिक शाला सकोला, आंगनबाड़ी केन्द्र बदरा बस्ती, शा. माध्यमिक शाला कन्या बदरा का औचक निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान विद्यालयों में हैण्डवॉष यूनिट कई स्थानों पर संचालित नही पाई गई। जिस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की। इस दौरान जनजातीय कार्य विभाग के सहायक संचालक श्री अशोक शर्मा तथा संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकीय अमला मौजूद रहा। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभय सिंह ओहरिया ने विद्यालयीन छात्रों से चर्चा कर उनकी पढ़ाई के संबंध में जानकारी ली। भ्रमण के दौरान शासकीय उ.मा.वि. जमुना कालरी के फिजिक्स, केमेस्ट्री एवं बॉयलॉजी लैब का अवलोकन किया। संस्था प्राचार्य ने अवगत कराया कि विद्यालय का नवीन भवन का कार्य प्रगतिरत है। जिपं. सीईओ ने भ्रमण के दौरान विद्यालयों के प्राचार्यों को भवन तथा परिसर के आवश?यक रखरखाव, स्वच्छता, शैक्षणिक कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित करने के संबंध में निर्देश दिए।

स्कूल, छात्रावास का कलेक्टर ने किया आकस्मिक निरीक्षण

विद्यार्थियों की पढ़ाई तथा उपलब्ध संसाधन के बेहतर उपयोग के दिए निर्देश

फतवा समाचार◈ अनूपपुर

कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने प्राथमिक विद्यालय तथा आंगनबाड़ी केन्द्र ग्राम ठूंठी तथा शा. उ.मा.वि. फुनगा एवं सीनियर कन्या छात्रावास पयारी नं. 01 का अवलोकन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभय सिंह ओहरिया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने ग्राम ठूंठी स्थित प्राथमिक विद्यालय तथा आंगनबाड़ी केन्द्र का अवलोकन करते हुए स्कूल भवन परिसर में स्थित पुराने जर्जर भवन के डिस्मेंटल की कार्यवाही करने तथा अतिरिक्त कक्ष के निर्माण के संबंध में निर्देश दिए गए। उन्होंने पेयजल व्यवस्था का अवलोकन किया। आंगनबाड़ी केन्द्र की व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की। भ्रमण के दौरान शासकीय उ.मा.वि. फुनगा का अवलोकन करते हुए प्राचार्य को जिस विषय में विद्यार्थी कमजोर हैं, उन विषयों की क्लास का टाईम ज्यादा रखते हुए टाईम टेबिल बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के अध्यापन कार्य का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने शौचालय, हैण्डवॉश सुविधा तथा परिसर के रखरखाव के संबंध में भी निर्देश दिए। विद्यालय में स्थापित आईसीटी लैब का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने तथा स्मार्ट टीवी का बेहतर उपयोग पढ़ाई के लिए सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान भौतिकी, रसायन तथा जीव विज्ञान की लैब का निरीक्षण करते हुए बेहतर उपयोग के निर्देश दिए।

मतदान केन्द्र क्रमांक 239 एवं 240 का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

शासकीय उ.मा.वि. फुनगा में स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 239 एवं 240 का निरीक्षण करते हुए भवन के रखरखाव के सुधार कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर उपस्थित बीएलओ से सर्वे तथा फार्म 6, 7, 8 के संबंध में जानकारी ली तथा 2 अगस्त से प्रारंभ हो रहे मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के

सीनियर कन्या छात्रावास पयारी नं. 01 के रखरखाव की कलेक्टर ने की सराहना

क्षेत्र भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने सीनियर कन्या छात्रावास पयारी नं. 01 का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं की सराहना की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पेंटिंग के कार्य को और गुणवत्तापूर्ण कराने तथा शौचालय के चौखट को ठीक कराने तथा भवन के खिड़कियों में जाली लगाने व छात्रावास के लिए क्रय किए गए स्मार्ट टीवी, वॉशिंग मशीन, वॉटर कूलर के इस्टालेशन के संबंध में निर्देश दिए गए।

अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए विश्वनाथ सिंह कांग्रेस पार्टी से ठोकी ताल

फतवा समाचार◈ अनूपपुर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विश्वनाथ सिंह अपने राजनैतिक जीवन में कांग्रेस की कमान संभाल कर लंबे समय से कांग्रेश की राजनीति कर रहे हैं! विश्वनाथ सिंह होनहार एवं मिलनसार योग एवं जुझारू व कर्मठ व्यक्ति के धनी है! विश्वनाथ सिंह सरपंच के पद पर रहते हुए जन-जन के बीच विकास पर हमेशा तत्पर रहे हैं !एवं जिला पंचायत के सदस्य के रूप में भी इन्होंने उस पद का दायित्व संभाला है! जिला पंचायत के सदस्य रहते हुए इन्होंने पंचायत नहीं बल्कि पूरे जिले में इन्होंने काम किया है !और जन-जन से मुलाकात कर अपने विकास को गति दी है! विश्वनाथ सिंह पूर्व में अनूपपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस की टिकट से इन्होंने चुनाव लड़ा है! एक बार फिर जन-जन की सेवा के अवसर के साथ विश्वनाथ सिंह ने कांग्रेस पार्टी से टिकट की दावेदारी करते हुए अनूपपुर विधानसभा के लिए ताल ठोका है? विश्वनाथ सिंह 24 घंटा राजनीति मैं ही सकरी नजर आते हैं! विश्वनाथ सिंह समर्थक भी नजर आ रहे हैं ! कहा जाता है कि विश्वनाथ सिंह को अगर कांग्रेस एक बार फिर टिकट देती है तो विश्वनाथ सिंह अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विजेता हो सकते हैं? क्योंकि विश्वनाथ सिंह एक लंबे समय से राजनीतिक क्षेत्र में अपनी पहचान बनाए हुए हैं !इसका एक बड़ा फायदा कांग्रेस के खेमे में हो सकता है! क्योंकि लंबी राजनीति और एक बड़े पत्थर की तरह क्षेत्र में जमे नजर आते हैं!विश्वनाथ सिंह कोई नया चेहरा नहीं है ? कांग्रेस के लिए यह एक बार अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं ! इन्हें बखूबी क्षेत्र का ज्ञान है! क्षेत्र की मतदाताओं को भी भली-भांति पहचानते हैं

☛ अगर विश्वनाथ सिंह को अनूपपुर विधानसभा का प्रत्याशी नहीं बनाया गया तो कांग्रेश कार्यकताओं में खामोशी व्याप्त होगा साथी इससे यह सिद्ध होगा जो व्यक्ति कई वर्षों से लगातार कांग्रेस पार्टी में रहकर कांग्रेश पार्टी को आगे बढ़ाने का काम किया है और हमेशा कांग्रेसी का सम्मान किया है इस को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस के कार्यकताओं में एक उत्साह पैदा होगा की जमीन से जुड़ा हुआ व्यक्ति को अनूपपुर आगामी विधानसभा का प्रत्याशी बनाया जाए ताकि अनूपपुर में कांग्रेस का परचम लेहरा सके ।

वेदक पटेल
कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अनूपपुर

! जन जन भी इनके इनसे परिचित हैं अगर कांग्रेस इन्हें फिर एक बार टिकट देती है तो ऐसा माना जा रहा है कि अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र से विजेता विश्वनाथ सिंह हो सकते हैं? वहीं उपचुनाव पर भी विश्वनाथ सिंह ने अपने दमखम लगा कर सत्ता शासन के साथ अपने प्रतिद्वंदी से कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी होकर जमकर टक्कर दी वही सत्ता सरकार ने भी पूरी जोर लगा कर सत्ता शासन का उपयोग कर विश्वनाथ को हराने के लिए जीतोड़ प्रयास किया ! विश्वनाथ सिंह पूरे दमखम के साथ कांग्रेस पार्टी के साथ आज भी डटे हुए हैं! कहा जाता है कि अपनी पार्टी को छोड़ छोड़ कर सत्ता की चाह में अन्य कई पार्टियों में सम्मिलित हो गए ! मगर विश्वनाथ सिंह कांग्रेस समर्थक माने जाते हैं ! कांग्रेस के प्रति हमेशा वफादार रहे हैं ! इसके पूर्व भी कांग्रेस के साथ खड़े रहे हैं! कई कांग्रेसी नेता कहीं बहुजन पार्टी का दामन थाम लिया था पर वहां भी रास नहीं आया,,,,,,,,,? चले आए और कईयों ने भाजपा में चले गए ऐसे कई नेता अपने सत्ता पाने के चाह में अपनी पार्टी ही बदल ली ,,,,,,, पर आज भी माना जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी में कोई बहुजन पार्टी से आकर कांग्रेस का दामन थामा है ?तो कोई अन्य स्थान से आकर कांग्रेस पार्टी का दावेदार बता रहा है !मगर विश्वनाथ सिंह आज भी कांग्रेस के साथ खड़े हैं !और कल भी उन्होंने कांग्रेस के साथ हाथ से हाथ जोड़कर जन जन के बीच खड़े रहे पार्टी असली कद्दावर नेताओं को टिकट देती है ऐसी अटकले लगाई जा रहे हैं जी पार्टी की जीत सुनिश्चित हो सकती है ? ऐसी चर्चा आम जनों में सुनाई दे रही है पार्टी आलाकमान को यह बात सोचना होगा कि कद्दावर नेता क्षेत्र का कौन है और किसे टिकट देनी चाहिए

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715